भावना संदेश

जुलाई – 2017

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की प्रबन्धकारिणी समिति की बैठक दिनांक 17 मई, 2017 की एक झलक

डॉ. नरेन्द्र देव द्वारा विरचित लघु पुस्तिका आहार-विहार के प्रभावी सूत्र का लोकार्पण
दि. 17.5.2017 को भावना समिति द्वारा

भावना प्रबंधकारिणी समिति

संरक्षक, निर्वाचित, मनोनीत एवं स्थाई पदाधिकारी

(पत्रांक : भावना/प–010/अ/588, दिनांक 23.03.2017 द्वारा पुनर्गठित)

संरक्षक सदस्य
श्री विजय कृष्ण शुंगलू
भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (निवर्तमान)
अब अध्यक्ष, दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसायटी
फोन : 0120–2513838 / 09810711820
ई. मेल: vkshunglu@yahoo.co.in

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
श्री अजय प्रकाश वर्मा, आई.ए.एस. (से.नि.)
पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार
फोन : 0522–2395195 / 09415402554

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
न्यायमूर्ति घनश्याम दास अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष, नेशनल इन्डस्ट्रियल ट्रिब्युनल, मुम्बई,
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2309327

संरक्षक एवं संस्थापक सदस्य
श्री कोमल प्रसाद वार्ष्णेय
प्रमुख अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2321680 / 09415736256

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
श्री जगदीश गाँधी
शिक्षाविद्, संस्थापक प्रबंधक, सिटी मोन्टेसरी स्कूल्स, लखनऊ
फोन : 09415015030
ई. मेल: info@cmseducation.org

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
श्री ज्ञानेन्द्र कुमार खरे
अध्यक्ष (से.नि.), रेलवे बोर्ड, भारत
फोन : 0532–2624020 / 09335157680
ई.मेल: kharegk.ald@gmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
न्यायमूर्ति दिनेश कुमार त्रिवेदी
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
अध्यक्ष, उच्च जाति आयोग, बिहार
फोन : 0522–2302591 / 09415152086

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
श्री चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव
मुख्य आयुक्त (से.नि.), कस्टम्स, सेन्ट्रल एक्साइज़ तथा सर्विस टैक्स
फोन: 0522–4073682 / 07754058564
ई.मेल: cps2806@gmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
न्यायमूर्ति सुधीर चन्द्र वर्मा
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय तथा
पूर्व लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश
फोन : 09415419439

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
पद्मश्री प्रो. महेन्द्र सिंह सोढा
पूर्व कुलपति, इन्दौर, लखनऊ तथा भोपाल विश्वविद्यालय,
फोन : 0522–2788033,
ई. मेल: msodha@rediffmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
परामर्शी, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ

न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2789033 / 09415010746
ई. मेल: justicekn@gmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
श्री राकेश कुमार मित्तल
प्रमुख सचिव (से.नि.), उ.प्र. शासन तथा मुख्य संयोजक, कबीर शान्ति मिशन
फोन : 0522–2309147 / 2307164 / 09415015859
ई. मेल: rakesh_mittal_2000@yahoo.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
न्यायमूर्ति करण लाल शर्मा
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522–2997299 / 2398857 / 09415560824
ई. मेल: sunil.sharma.lko@gmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
श्री ओम् नारायण
निदेशक (से.नि.), कोषागार, उ.प्र.
फोन: 0522–3013010 / 09415515647
ई.मेल: omnarayan@hotmail.com

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य
श्रीमती सुनन्दा प्रसाद, आई.ए.एस.(से.नि.)
पूर्व अध्यक्ष, राजस्व परिषद, उ.प्र.
फोन : 09839211040
ई.मेल: prasad_sunanda@hotmail.com

संस्थागत सदस्य

मिरर फ़ाउन्डेशन्स फ़ॉर सेल्फ़ इम्प्रूवमेन्ट एन्ड नेचुरल लिविन्ग
श्री पवन ग्रोवर, संस्थापक अध्यक्ष
फोन : 0522–4002197 / 2311168 / 09839035475
ई. मेल: pawangrover@yahoo.com

आस्था सेन्टर फ़ॉर जेरियाट्रिक मेडीसिन, पालिएटिव केयर, हॉस्पिटल, हॉस्पिस एन्ड सोशल वेलफ़ेयर सोसायटी
डॉ. अभिषेक शुक्ला, संस्थापक अध्यक्ष
फोन : 0522–3240000 / 09336285050
ई. मेल: enquiry@hospiceindia.org

शेष कवर पृष्ठ 3 पर

(सदस्यों में केवल आन्तरिक वितरण हेतु)

भावना संदेश

वर्ष : 17 अंक : 03 जुलाई–2017

सम्पादन समिति

इं0 अमरनाथ – प्रधान सम्पादक
श्री सुशील कुमार शर्मा – सम्पादक
प्रो0 (डॉ0) अवनीश अग्रवाल – सह–सम्पादक

प्रकाशक

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति
507, कसमण्डा रीजेन्ट अपार्टमेन्ट्स
पार्क रोड, लखनऊ–226001
दूरभाष : 0522–4016048 पं.सं.: 662/2000–01
वेबसाइट : www.bhavanaindia.org
ई–मेल : bhavanasindia.@gmail.com
Facebook page : Bharatiya Varishtha Nagarik Samiti
Bhavana google group: bhavana-lucknow@googlegroups.com

मुद्रक

क्रियेटिव इंक, हिमांशु सदन, 5 पार्क रोड, लखनऊ।
मो0 : 7398629394 9935526017
E-mail : creativesheebu@gmail.com

भावना का संकल्प गीत

भावना सहयोग, सेवा, स्वावलम्बन से चले,
भावना की राह में संकल्प का दीपक जले।

भावना में डूब के इतने सहिष्णु हम हुए,
आस्था, विश्वास के साँचे में हम फिर–फिर ढले।

भावना ये है बुजुर्गों को किसी भी हाल में,
इस बदलते दौर की तल्ख़ी न रत्ती भर खले।

भावना का एक ही सन्देश है सबके लिए,
शेष जीवन भर कोई अब जिन्दगी को न छले।

विश्व में इक मंच देने को वरिष्ठों के लिए,
भावना की 'शान्त' पलकों पे कई सपने पले।

– इं. देवकी नन्दन 'शान्त'

भावना सूत्र वाक्य

सन्देश नहीं मैं यहाँ स्वर्ग का लाया।
इस धरती को ही स्वर्ग बनाने आया।।

– श्री मैथिली शरण गुप्त

सम्पादकीय

मनुष्य जीवन में सन्तुष्टि कैसे प्राप्त हो?

प्रायः मनुष्य की उमंगे उसे चैन से नहीं बैठने देती, इसलिए हमारे सम्मानित ग्रन्थ गीता में भगवान श्री कृष्ण ने यह उपदेश दिया है कि यथासम्भव इच्छाओं का त्याग किया जाय। व्यवहारिक दृष्टिकोण से देखा जाय तो इच्छाएं समाप्त तो नहीं की जा सकतीं परन्तु कम अवश्य की जा सकती हैं। दूसरी समस्या वरिष्ठजनों को यह भी आती है कि जीवन में जो खराब समय बीता उसका संताप मानसिक पटल पर विद्यमान रहता है। वास्तव में जीवन में जाने-अनजाने में जो गलतियां हो जाती हैं, उसका निवारण तो अधिकांशतः गलती सुधार लेने से हो जाता है परन्तु मनुष्य का अहंकार गलती के लिए दोषारोपण दूसरों पर करना चाहता है। साथ ही वरिष्ठ नागरिक अपनी पुरानी भूल चूक का संताप झेलते रहते हैं चूंकि वह उन्हें अपना कर्मफल मानकर स्वीकार नहीं करते। कई बार परिवारों में भी पुरानी बातों को लेकर व्यर्थ का क्लेश होता रहता है। वास्तव में कोई भी मनुष्य अपनी आलोचना सहन करने की शक्ति नहीं रखता, जबकि दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि आपके आलोचक ही उत्थान में आपकी सहायता करते हैं। वास्तव में बात सही दृष्टिकोण अपनाने की है। अतः करना यह चाहिए कि यदि कोई आपकी आलोचना करता है तो क्रोधित होने की बजाय उस व्यक्ति से खुलकर बात करें, जिससे यदि वह गलत कह रहा है तो उसे स्वयं महसूस हो जायेगा। यह समझने की बात है कि हर व्यक्ति में आत्मा का वास है, जो परमात्मा का अंश है। कुछ गलत विचाराधारा के कारण ही ऐसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जिन्हें वार्ता द्वारा सुलझाया जा सकता है। कुछ वरिष्ठ नागरिक अपने भूतकाल की यादों में जीने की आदत डाल लेते हैं वह प्रायः अपनी भूल-चूक का विश्लेषण करते रहते हैं और सोचते रहते हैं कि यदि अपने हितैषियों की बात सुन लेते तो हानि की बजाय लाभ हो सकता था। अतः ऐसे व्यक्तियों को अपनी पुरानी गलतियों से निजात नहीं मिल पाती।

प्रत्येक व्यक्ति तीन प्रकार की जिन्दगी जीता है, यानि (1) व्यक्तिगत जीवन (2) सामाजिक जीवन (3) गुप्त जीवन (आध्यत्मिक जीवन) की इन अवस्थाओं की भूल-चूक के प्रभाव भी भिन्न होते हैं। अधिकतर मनुष्य अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवारही की भूल करते रहते हैं तथा संयम, नियम, योग एवं व्यायाम के प्रति उदासीनता उनके लिए स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं उत्पन्न करती है जो बाद में संताप का कारण बनती है। वृद्धावस्था में व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन की भूल-चूक को कर्मफल मानकर स्वीकार किया जा सकता है, परन्तु गुप्त जीवन (आध्यत्मिक जीवन) के प्रति

उदासीनता की भूल का कोई उपचार नहीं है चूंकि मनुष्य अन्तिम अवसर ही खो रहा है। अतः वरिष्ठ नागरिकों को चाहिये कि वह यथासम्भव दुनियादारी के मोह का त्याग करें, व्यर्थ की चिन्तायें न करें तथा प्रसन्नचित रहने का प्रयास करें। वास्तव में देखा जाय तो काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार ही मनुष्य के सबसे बड़े शत्रु हैं। इन पर यथासम्भव विजय प्राप्त होने पर ही व्यक्ति संन्तुष्टि एवं आनन्द का अनुभव कर सकता है। एक गीतकार की कुछ पंक्तियां याद आ गयी हैं जो निम्नवत् हैं-

भूतकाल का पछतावा करेगा आखिर कब तक?
भविष्य की चिन्ता क्यों जो आया नहीं हैं, अब तक?
वर्तमान में जीना सीख मत ले उसका बैर
कुछ भी तो नहीं होता उसके चाहे बगैर।

- इं. सुशील कुमार शर्मा

सदवचन

(1) न सा समा यत्र न सन्ति वृद्धा, वृद्धा न ते ये न वदन्ति धर्मम्।
नासौ धर्मो यत्र न सत्यमस्ति, सत्यं न तत् सत्यंयच्छलेनाभ्युपेतम्।।

विदुर नीति : - वह सभा (परिषद) ही नहीं जिसमें वृद्ध (ज्ञान और पथ) पुरूष न हों, वे वृद्ध नहीं जो धर्म का कथन न करें, न वह धर्म है जिसमें सत्य का योग न हो और न वह सत्य ही है जो छल से संयुक्त हो।

विशेष - इस लक्षण के अनुसार जिन भीष्म पितामह एवं आचार्य द्रोण के सन्मुख रजस्वला एकवस्त्रा द्रोपदी को नंगी करने के लिए उसका वस्त्र खींचा गया और ये महानुभाव चुपचाप देखते रहे, दुर्योधन प्रवृति के अत्याचार का विरोध नहीं किया, वे वृद्ध की परिभाषा में गिने ही नहीं जा सकते।

(2) अनाहूतः प्रविशति अपृष्टो बहू भाषते।
अविश्वस्ते विश्वसिति मूढ़चेतानराधमः।।

विदुर नीति :- जो पुरुष सभा आदि में बिना बुलाए प्रविष्ट होता है और बिना पूछे बहुत बोलता है तथा विश्वास के अयोग्य पुरुषों में विश्वास करता है, वह मूर्ख चित्तवाला नरों में अधम है।

भावना संदेश-अप्रैल-2017 अंक : त्रुटि परिमार्जन

भावना संदेश के अप्रैल-17 अंक में असावधानी वश कुछ त्रुटियां एवं अशुद्धियां रह गई थी। कृपया उनको निम्नानुसार शुद्ध करके पढ़ने की कृपा करें।

संदर्भ पृष्ठ	पंक्ति	जो छपा हुआ है	अब जो पढ़ा जाए
4-	ऊपर से दूसरी पंक्ति	आमुख महासचिव	प्रमुख महासचिव
8-	ऊपर से 8वीं पंक्ति	विश्वविद्यालय ने प्रसादम्	विश्वविद्यालय में प्रसादम्
11-	ऊपर से 14वीं पंक्ति	अति विशिष्ट नागरिकों का अभिनंदन	अति वरिष्ठ नागरिकों का अभिनंदन
11-	ऊपर से 25वीं पंक्ति	निर्माण में लगभग 1 करोड़ रुपये	निर्माण में लगभग 10 करोड़ रुपये
13-	नीचे से चौथी पंक्ति	डॉ. श्रीकृष्ण अखिलेश	डॉ. श्रीकृष्ण सिंह अखिलेश
14-	पहली पंक्ति	वर्ष-2017-18 बजट प्रस्ताव	वर्ष-2017-18 का बजट प्रस्ताव
23-	नीचे से 7वीं पंक्ति	अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र	भावना अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र
23-	नीचे से चौथी पंक्ति	भावना संस्था के अध्यक्ष	भावना के अध्यक्ष
32-	नीचे से 11वीं पंक्ति	इं. ए.के. मल्होत्रा जी	इं. ए.के. मेहरोत्रा जी
33-	नीचे से 17वीं पंक्ति	डॉ. हरवंश सिंह	डॉ. श्रीकृष्ण सिंह अखिलेश
53-	ऊपर से 17वीं पंक्ति	रात के ढे में शोला है	राख के ढेर में शोला है
64-	नीचे से चौथी पंक्ति	साले लोभ	सारे लोभ
अन्तिम आवरण	ऊपर से तीसरी पंक्ति	आवंटन NEDA द्वारा	आवंटन YEIDA द्वारा

उक्त सभी कमियों/त्रुटियों/अशुद्धियों के लिए भावना संदेश के सम्पूर्ण सम्पादक मंडल की ओर से मैं खेद सहित बिना शर्त क्षमा चायी हैं।

अमर नाथ- प्रधान सम्पादक

भावना की साधारण सभा की बैठक (सत्रहवाँ वार्षिक महाधिवेशन) दिनांक 05 मार्च 2017 का कार्यवाही विवरण

सभा स्थल :-राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, कैसरबाग, लखनऊ

उपस्थिति :- समिति के कुल 741 सदस्यों में से 143 सदस्य (29 प्रॉक्सी सहित) सभा में उपस्थित थे। कोरम पूरा था।

कार्यवाही विवरण :-

1. उद्घाटन सत्र के कार्यक्रम का संचालन भावना के सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ के सचिव एवं संयोजक, साहित्य-भूषण श्री देवकी नन्दन 'शांत, द्वारा किया गया।
2. कार्यक्रम के संचालक, श्री देवकी नन्दन 'शांत' के अनुरोध पर मुख्य अतिथि, माननीय श्री महेश चन्द्र द्विवेदी, निवर्तमान पुलिस महानिदेशक, उ.प्र. ने मंच पर आसन ग्रहण किया।
3. संचालक महोदय के अनुरोध पर भावना के अध्यक्ष माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल, संरक्षक सदस्य माननीय श्री कोमल प्रसाद वार्ष्णेय, संरक्षक सदस्य माननीय डॉ. जगदीश गांधी, आर.के. ग्रुप की वित्त-निदेशक श्रीमती संगीता गुप्ता तथा 80+ आयु प्राप्त माननीय विशिष्ट सदस्य श्रीमती उमा शशि मिश्र, आजीवन सदस्य श्री विजय कुमार माथुर, डॉ. त्रिलोकी नाथ सिंह, श्री राम किशोर पाण्डेय एवं श्री विश्व पाल निगम ने मंच पर आसन ग्रहण किया।
4. संचालक महोदय के अनुरोध पर मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष सहित सभी मंचासीन महानुभावों ने दीप प्रज्ज्वलित करके सभा की कार्यवाही का औपचारिक शुभारम्भ किया। सभी उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से हर्ष व्यक्त किया।
5. तदोपरान्त संचालक महोदय के अनुरोध पर मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष सहित सभी मंचासीन महानुभावों का समिति के पदाधिकारियों ने पुष्प-गुच्छ समर्पित करके स्वागत किया।
6. तदनन्तर श्री देवकी नन्दन 'शान्त, के आह्वान पर उन्हीं के नेतृत्व में सभा में उपस्थित सभी जनों ने खड़े होकर भावना के संकल्प-गीत का सामूहिक सस्वर पाठ किया जिसमें भावना के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों का संक्षिप्त उल्लेख है।
7. अध्यक्ष महोदय ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, विशिष्ट सदस्यों, मीडिया के प्रतिनिधिगणों एवं सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया।
8. संचालक महोदय के अनुरोध पर मुख्य अतिथि तथा अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति के वयोवृद्ध सदस्यों, माननीय डॉ. जगदीश गांधी (संरक्षक सदस्य) माननीय श्रीमती उमा शशि मिश्र (विशिष्ट सदस्य), माननीय विजय कुमार माथुर (आजीवन सदस्य), माननीय डॉ. त्रिलोकी नाथ सिंह (आजीवन सदस्य), माननीय श्री राम किशोर पाण्डेय (आजीवन सदस्य) तथा माननीय श्री विश्व पाल निगम (आजीवन सदस्य) को बारी बारी से माला एवं शाल पहनाकर उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया। इन सभी आदरणीय सदस्यों ने सभा को सम्बोधित भी किया।
9. समिति की वार्षिक रिपोर्ट :- तदनन्तर प्रमुख महासचिव, श्री राम लाल गुप्ता ने समिति की वार्षिक रिपोर्ट अर्थात समिति में गत् एक वर्ष में हुई गतिविधियों एवं आगामी लेखा-वर्ष में प्रस्तावित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण सभा के समक्ष प्रस्तुत किया तथा अनुरोध किया कि इस पर अधिवेशन के आन्तरिक सत्र में सभी सदस्य अपने-अपने विचार अवश्य रखें ताकि सदन की इच्छा के अनुरूप ही समिति के अगले लेखा-वर्ष के लिए कार्यक्रम निर्धारित किए जा सकें। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों तथा अन्य अतिथियों से भी अनुरोध किया कि वे भी इस विषय में अपने विचारों से हमें लाभान्वित करें ताकि तद्नुसार समिति के भावी कार्यक्रमों को वरिष्ठ नागरिकों तथा समाज के निर्बल एवं सहायजनों के हितों के अनुरूप नियोजित किया जा सके। उन्होंने उन प्रस्तावों को भी सभा के विचारार्थ पढ़ा जो वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ केन्द्र तथा उत्तर प्रदेश सरकारों से संबंधित माननीय मंत्रियों तथा अधिकारियों को भेजे जाने हेतु प्रस्तावित है।
10. तदनन्तर मुख्य अतिथि तथा मंचासीन विशिष्टजनों द्वारा समिति के निम्नलिखित पदाधिकारियों का विगत् सत्र में समिति के हित में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र दिए गए :

- श्री जगत बिहारी अग्रवाल, महासचिव (प्रशासन) को समिति के हित में सर्वोत्तम कार्य करने के लिए।
- श्री अनिल कुमार शर्मा, अध्यक्ष, एन.सी.आर. शाखा को अपनी शाखा के हित में सर्वोत्तम कार्य करने के लिए।
- श्री अनिल कुमार शर्मा, अध्यक्ष, एन.सी.आर. शाखा को अधिकतम 16 विशिष्ट सदस्यों सहित कुल 25 सदस्य बनवाने के लिए।
- श्री अनिल कुमार शर्मा, अध्यक्ष, एन.सी.आर. शाखा को अपने प्रयास से गेल (इंडिया) लि. में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करके भावना को सबसे अधिक रु. 75,000 की बचत कराने के लिए।
- श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह, महासचिव (कार्यान्वयन) को अनौपचारिक शिक्षण कार्यक्रम निर्धन जन सेवा कार्यक्रम तथा ग्रामीण संस्थागत सदस्य बनाने में अतिउत्तम कार्य करने के लिए।
- श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल, उपमहासचिव को संयोजक, निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ, प्रसादम सेवा प्रकोष्ठ तथा सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ की हैसियत से अतिउत्तम कार्य करने के लिए।
- श्री शिव शंकर प्रसाद शुक्ल, सचिव, उन्नाव शाखा, को उन्नाव जनपद के ग्राम्यांचल में, बिना केन्द्रीय कोष पर व्यय-भार डाले, निर्धन जन सेवा शिविर के भव्य आयोजन में अति उत्तम कार्य करने के लिए।

  इस कार्यक्रम को संचालित करते हुए वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना ने कहा कि निर्धारित मानदंडों पर उपरोक्त पदाधिकारी ही खरे उतरे हैं, इसलिए उन्हें ही सम्मानित किया गया है, किन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि अन्य पदाधिकारियों ने कोई कार्य नहीं किया है। उन्होंने सभा को अवगत कराया कि :
- श्री प्रेम प्रकाश अरोरा (रु. 34,800), श्री विनोद कुमार शुक्ल (रु 30,000), श्री नरेन्द्र कुमार रस्तोगी (रु 22,450), न्यायमूर्ति सुधीर चन्द्र वर्मा (रु 20,000), रमेश प्रसाद जायसवाल (रु 19,500), श्री जगमोहन लाल वैश्य (रु 17,200), श्री सुमेर अग्रवाल (रु 12,500), श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल (रु 12,000), न्यायमूर्ति दिनेश कुमार त्रिवेदी (रु 11,000), न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ (रु 10,800) श्री जितेन्द्र नाथ सरीन (रु 10,000) तथा श्री बेदी प्रसाद कुरील (रु 10,000) के योगदान भी समिति के जनहितकारी कार्यक्रमों के लिए स्वयं दान देने तथा/अथवा अन्य दाताओं से दान प्राप्त करने में सराहनीय रहे हैं।
- नए सदस्य बनवाने में श्री विनोद कुमार शुक्ल (4 विशिष्ट, 1 ग्रामीण संस्थागत तथा 1 वॉलन्टियर), श्री सुशील कुमार (4 विशिष्ट), श्री सुभाष मणि तिवारी (2 विशिष्ट तथा 1 वॉलन्टियर), श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल (2 विशिष्ट), डॉ. नरेन्द्र देव (2 विशिष्ट), श्री जगमोहन लाल जायसवाल (1 विशिष्ट तथा 1 आजीवन), न्यायमूर्ति करण लाल शर्मा (1 विशिष्ट), श्री राजेन्द्र कुमार चुघ (1 संस्थागत), श्री सुशील कुमार शर्मा (6 आजीवन), श्री अमर नाथ (4 आजीवन), श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह (3 आजीवन), श्री उदय भान पाण्डेय (2 आजीवन), श्री नसीम अनवर फारूकी (2 आजीवन), श्री अशोक कुमार मल्होत्रा (2 आजीवन), श्री आदित्य प्रकाश सिंह (1 आजीवन), श्री जगत बिहारी अग्रवाल (1 आजीवन), श्रीमती रजनी चंद्रा (1 आजीवन) एवं श्री भीम सेन शुक्ला (1 आजीवन) के योगदान भी सराहनीय रहे हैं।
- संकल्प के अनुरूप विगत सत्र में सम्पन्न हुई प्रबंधकारिणी की बैठकों, नव-वर्ष-मिलन कार्यक्रम तथा होली-मिलन कार्यक्रम का सम्पूर्ण व्यय-भार श्री सुशील शंकर सक्सेना, श्री राम मूर्ति सिंह, श्री इन्द्र कुमार भारद्वाज, श्री मुरारी लाल अग्रवाल, श्री बनवारी लाल गुप्ता, श्री रवीन्द्र कुमार सक्सेना, श्री सिद्धेश्वर नाथ शर्मा, श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी, श्री पाल प्रवीण, श्री सुरेश चन्द्र ब्रह्मचारी, श्री राम प्रवेश तिवारी, श्री आनन्द कुमार, श्री युगल किशोर गुप्ता, श्री महेश चन्द्र निगम, श्री सुभाष मणि तिवारी, श्री सत्यदेव तिवारी, श्री विवेक कुमार त्रिपाठी, श्री अनुराग त्रिपाठी, श्री रमाकान्त पाण्डेय, श्री विनोद कुमार कपूर, श्री हरीश चन्द्र शुक्ला, श्री तीरथ राज मौर्य, श्री तीर्थ रंजन गुप्ता, श्रीमती अर्चना गोयल, श्री मनोज कुमार गोयल, डॉ. नरेन्द्र देव, श्री जग मोहन लाल वैश्य, श्री शिव नारायण अग्रवाल, श्री सत्य नारायण गोयल, स्व. धर्मवीर सिंह, श्री सुमेर अग्रवाल, श्री लक्ष्मी कान्त झुनझुनवाला तथा श्री आदित्य प्रकाश सिंह ने सहर्ष वहन किया। इन सभी माननीय सदस्यों का योगदान भी सराहनीय रहा।

11. इस अवसर पर भावना के प्रधान सम्पादक श्री अमरनाथ की स्व-रचित पुस्तक **'खरी-खोटी'** का मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों तथा अध्यक्ष द्वारा लोकार्पण किया गया। तदनन्तर श्री अमरनाथ ने संक्षेप में पुस्तक में निहित अपनी रचनाओं के बारे में सभा को अवगत कराया।

12. सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि, माननीय श्री महेश चन्द्र द्विवेदी, ने अपने ओजस्वी सम्बोधन में कहा कि वे यह देखकर अत्यंत प्रसन्न हैं कि भावना अपने सदस्यों के माध्यम से समाज सेवा कर रही है। इससे उनका मन संतुष्ट एवं प्रफुल्लित होता होगा तथा निराशावादी विचार उनके पास आ भी नहीं पाते होंगे। उन्होंने भावना के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि भावना इसी विचारधारा पर कार्य कर रही है कि कदाचित इसीलिए इस संस्था से जुड़े बुजुर्गों में इतना उत्साह तथा इतनी ताजगी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि भावना के सदस्य दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर काम करते हैं और इसीलिए इनके अंदर इतना अधिक सेवाभाव है। उन्होंने समिति के जनहितकारी कार्यक्रमों में अपना भी योगदान देने की इच्छा प्रकट की तथा कहा कि वे भी समिति की सदस्यता ग्रहण करना चाहेंगे।

13. कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने भी सभा को सम्बोधित करते हुए अपने विचार प्रकट किए।

14. धन्यवाद ज्ञापन :- संचालक महोदय के अनुरोध पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री सुशील शंकर सक्सेना, ने सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि, विष्ज्ञट अतिथियों, अन्य अतिथियों, सभा में उपस्थित सभी अन्य सदस्यों, महिलाओं तथा मीडिया के प्रतिनिधियों को समस्त प्रबन्धकारिणी की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रबन्धकारिणी के उन सभी सदस्यों को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने अधिवेशन के आयोजन में अपना सक्रिय योगदान दिया।

इसके उपरान्त संचालक महोदय के अनुरोध पर अध्यक्ष महोदय ने सभा के उद्घाटन सत्र के समापन की घोषणा कर दी तथा सभी से सहभोज के लिए प्रस्थान करने हेतु निवेदन किया।

आन्तरिक सत्र :-

15. सहभोज के उपरान्त माननीय मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं अन्य अतिथियों को ससम्मान विदा करने के बाद सभा के आन्तरिक सत्र का शुभारम्भ हुआ। महासचिव (प्रशासन) श्री जगत बिहारी अग्रवाल ने माननीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना, उपाध्यक्ष श्री तुंग नाथ कनौजिया तथा कोषाध्यक्ष श्री प्रेम शंकर गौतम से मंच पर आसन ग्रहण करने का अनुरोध किया। उन सभी के द्वारा आसन ग्रहण कर लेने पर सभी उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से हर्ष व्यक्त करते हुए उनका स्वागत किया।

16. अध्यक्ष महोदय की अनुमति लेकर महासचिव (प्रशासन) ने सभा के आन्तरिक सत्र की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए सभा के समक्ष साधारण सभा की विगत् बैठक (सोलहवाँ वार्षिक महाधिवेशन, दिनांक 28 फरवरी, 2016) का कार्यवाही विवरण अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया। विचारोपरान्त सभा ने सर्वसम्मति से उसे अनुमोदित कर दिया।

17. तदुपरान्त अध्यक्ष महोदय की अनुमति लेकर कोषाध्यक्ष, श्री प्रेम शंकर गौतम ने सर्वप्रथम वर्ष 2015-16 की सम्प्रेक्षक द्वारा सम्प्रेक्षित तथा चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा निरीक्षित बैलेन्स शीट तथा आय-व्यय लेखा सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। साथ ही साथ उन्होंने उक्त वर्ष के बजट के सापेक्ष वास्तविक आय-व्यय का तुलनात्मक विवरण भी सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। विचारोपरान्त सभा ने इन सभी अभिलेखों को सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया।

पुनः कोषाध्यक्ष महोदय ने वर्ष 2017-18 के बजट प्रस्ताव निम्नानुसार प्रस्तुत किए :-

वर्ष 2017-18 के बजट प्रस्ताव

प्रस्तावित बजट में 100 नए आजीवन सदस्य, 50 आजीवन स्पाउस सदस्य, 40 विशिष्ट सदस्य, 40 विशिष्ट स्पाउस सदस्य, 2 संस्थागत सदस्य, 5 ग्रामीण संस्थागत सदस्य तथा 10 वालन्टियर सदस्य बनाए जाने का संकल्प है।

प्रस्तावित आय रुपए में :-

1. वर्ष 2016-17 का अवशेष	1994443.00
अ- बैंक में फिक्स डिपाजिट-लखनऊ में	355349.00
ओबरा में	109094.00

	ब- बचत खाते में एवं नगद अवशेष (अनुमानित)	200000.00	
	स- एन.सी.आर. में ओल्ड एज होम प्रोजेक्ट हेतु दिनांक 31/03/2017 को उपलब्ध धनराशि (अनुमानित)	1330000.00	
2.	100 नये आजीवन सदस्य	10x2500.00	250000.00
3.	50 नये आजीवन स्पाउस सदस्य	50x500.00	25000.00
4.	40 नये आजीवन विशिष्ट सदस्य	40x6000.00	240000.00
5.	40 नये आजीवन विशिष्ट स्पाउस सदस्य	40x1000.00	40000.00
6.	2 नये संस्थागत सदस्य	2x6000.00	12000.00
7.	5 नये ग्रामीण संस्थागत सदस्य	5x2000.00	10000.00
8.	10 नये वॉलन्टियर सदस्य	10x1500.00	15000.00
9.	भावना संदेश शुल्क एवं विज्ञापन		200000.00
10.	समिति के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सम्भावित दान		500000.00
11.	शिक्षा सहायता योजना के लिए सम्भावित दान		350000.00
12.	डे-केयर केन्द्र में आने वाले सदस्यों से प्राप्त शुल्क	(12x250x50)	150000.00
13.	स्थापना दिवस एवं वार्षिक अधिवेशन से प्राप्त पंजीकरण शुल्क	(100x300)	30000.00
14.	एन.सी.आर. में ओल्ड एज होम प्रोजेक्ट हेतु सम्भावित अंशदान/दान		5000000.00
		कुल सम्भावित आय	8816443.00

प्रस्तावित व्यय रुपए में

1.	कार्यालय स्टेशनरी		75000.00
2.	टाईप/फोटोकापी		75000.00
3.	डाक टिकट/कोरियर/फैक्स		75000.00
4.	प्रचार-प्रसार सामग्री		60000.00
5.	टेलीफोन किराया		9000.00
6.	डाक रनर/चपरासी (पूर्णकालिक)		70000.00
7.	कार्यालय सहायक (पूर्णकालिक)		70000.00
8.	वार्षिक अधिवेशन पर व्यय		65000.00
9.	भावना-संदेश का प्रकाशन		70000.00
10.	मासिक विचार गोष्ठियों पर व्यय		30000.00
11.	चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट की फीस		25000.00
12.	वेबसाइट का रख-रखाव		25000.00
13.	स्थापना दिवस एवं शिक्षा सहायता राशि वितरण समारोह पर व्यय		70000.00
14.	कार्यालय भवन किराया		0.00
15.	कार्यालय हेतु विद्युत व्यवस्था		0.00
16.	डे-केयर सेन्टर की सज्जा पर होने वाला व्यय		120000.00
	अ - फर्नीचर	25000.00	
	ब - टी.वी. एवं डी.वी.डी. प्लेयर	40000.00	
	स - ए.सी.	30000.00	
	द - कारपेट, पदरे आदि	25000.00	
	कुल	120000	

17. डे-केयर सेन्टर के संचालन पर होने वाला व्यय		150000.00
अ - केयर टेकर कम कम्प्यूटर आपरेटर	72000.00	
ब - चपरासी/अटेण्डेन्ट	60000.00	
स - समाचार पत्र तथा अन्य पढ़ने वाली सामग्री	12000.00	
द - विद्युत व्यय तथा अन्य आवश्यक रख-रखाव के व्यय	6000.00	
	कुल	150000.00
18. अन्य प्रकीर्ण व्यय		25000.00
	कुल व्यय	1014000.00

विभिन्न सेवा कार्यक्रमों पर व्यय

1. भावना सहयोग एवं सेवा		10000.00
2. भावना सेकेण्ड कैरियर		2000.00
3. भावना सांस्कृतिक कार्य		20000.00
4. भावना महिला सशक्तिकरण		15000.00
5. भावना सोशल सर्विस		250000.00
6. भावना आध्यात्मिक सेवायें		20000.00
7. भावना स्वास्थ्य सेवायें		80000.00
8. भावना एजूकेशन एण्ड लिटरेसी सेवायें		350000.00
9. येडा को ओल्ड एज होम प्रोजेक्ट हेतु खरीदी जाने वाली जमीन की किस्त का किया जाने वाला भुगतान		2875460.00
10. श्री अनिल कुमार शर्मा से लिये गये उधार की वापसी ब्याज सहित		2852680.00
	योग	6475140.00
	कुल प्रस्तावित व्यय	7489140.00

कुल अनुमानित बचत (8816443.00 - 7489140.00)

विशेष :

1. व्यय आवश्यकतानुसार वास्तविक आय के अनुरूप कम से कम किया जायेगा।
2. प्रबंधकारिणी की बैठकों का व्यय गत वर्षों की भांति समिति के पदाधिकारियों द्वारा ही बारी-बारी से वहन किया जाना प्रस्तावित है।
3. नए प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिये आय के अनुरूप अतिरिक्त व्यय किया जाना भी प्रस्तावित है।
4. वर्ष 2016-17 में श्री अनिल कुमार शर्मा से ओल्ड ऐज होम प्रोजेक्ट हेतु येडा से जमीन लेने के लिये 4 प्रतिशत ब्याज पर 27 लाख रुपए का ऋण लिया गया है जिससे येडा को लगभग 13.70 लाख रुपए का भुगतान दो किस्तों में किया जा चुका है।

विचारोपरान्त सभा ने सर्वसम्मति से इन बजट प्रस्तावों को अनुमोदित कर दिया।

18. खुला सत्र

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से महासचिव (प्रशासन) ने खुला सत्र प्रारम्भ करते हुए सदस्यों से अनुरोध किया कि वे प्रमुख महासचिव के वार्षिक प्रतिवेदन पर, मुख्य अतिथि महोदय के सम्बोधन में निहित बिन्दुओं पर तथा अन्य विभिन्न प्रस्तावों पर बारी-बारी से अपने-अपने विचार व्यक्त करें तथा यदि समिति एवं सदस्यों तथा समाज के कमजोर वर्ग के हित से सम्बन्धित कोई अन्य प्रस्ताव उनके पास हो तो उन्हें भी सदन के समक्ष रखें। सभा में उपस्थित सदस्यों ने तदनुसार अपने-अपने विचार सदन के समक्ष रखे। भली प्रकार विचार-विमर्श के उपरान्त सभा द्वारा सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए :

1. प्रमुख महासचिव के प्रतिवेदन में निहित सभी बिन्दुओं एवं प्रस्तावों का अनुमोदन कर दिया गया।
2. प्रस्तावों को भी अनुमोदित कर दिया गया जो वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ केन्द्र तथा उत्तर प्रदेश सरकारों के सम्बन्धित माननीय मंत्रियों तथा अधिकारियों को भेजे जाने प्रस्तावित हैं।

19. समापन सत्र

अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों का आह्वान किया कि :

- सदस्यगण सुप्त सदस्य बनकर न रहें अपितु समिति के कार्यक्रमों में अपना सक्रिय योगदान दें।
- प्रत्येक सदस्य आगामी वर्ष में अपने माध्यम से कम से कम दो नए सदस्य अवश्य ही बनवाने का प्रयास करें।
- जिन सदस्यों ने अपनी विवाह की तारीख समिति कार्यालय में अभी तक उपलब्ध नहीं कराई है, वे कृपया अतिआवश्यक विवरण यथाशीघ्र उपलब्ध करा दें। पुराने सदस्यों के मोबाइल नम्बर समिति कार्यालय में उपलब्ध नहीं है वे कृपया यह विवरण भी उपलब्ध करा दें। यह अतिआवश्यक है क्योंकि अब से आगे सारा पत्राचार एवं सूचनाओं आदान प्रदान ई-मेल के माध्यम से ही किया जाएगा।
- सूचनाओं का आदान-प्रदान व्हाट्सऐप पर भी किया जाएगा। जिन सदस्यों के पास स्मार्ट मोबाइल फोन नहीं है वे कृपया इसकी व्यवस्था कर लें ताकि वे ई-मेल तथा/अथवा व्हाट्सऐप के माध्यमों का उपयोग भली प्रकार कर सकें।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से महासचिव (प्रशासन) के अनुरोध पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, माननीय श्री सुशील शंकर सक्सेना ने सभी उपस्थित जनों को इस बैठक में आने के लिए धन्यवाद दिया तथा प्रबंधकारिणी के उन सभी सदस्यों को भी धन्यवाद दिया जो इस आयोजन के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे तथा जिनके प्रयास से ही यह आयोजन सफल हो सका। उन्होंने श्री देवकी नन्दन 'शान्त' को विशेष रूप से धन्यवाद दिया कि उन्होंने अधिवेशन के उद्घाटन सत्र का बहुत ही कुशलता के साथ संचालन किया।

इसके उपरान्त अध्यक्ष महोदय द्वारा सभा के समापन की घोषणा कर दी गई।

जगत बिहारी अग्रवाल
महासचिव (प्रशासन)

मेडिकल कालेज लखनऊ में गरीब मरीजों के तीमारदारों के लिए निःशुल्क भोजन व्यवस्था

भावना प्रसादम सेवा प्रकोष्ठ

भावना प्रसादम सेवा प्रकोष्ठ द्वारा **विजयश्री फाउंडेशन** के सहयोग से मेडिकल कालेज के विभिन्न वार्डों में भर्ती गरीब मरीजों के तीमारदारों के लिए निःशुल्क दोपहर के भोजन की व्यवस्था की जाती है। इस सेवा के लिए मेडिकल कालेज द्वारा लगभग 2500 वर्ग फुट का एक हॉल निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है एवं साथ ही बिजली एवं पानी की व्यवस्था भी की गयी है। हॉल के एक भाग में भोजन बनाने एवं कच्चे सामान के भण्डारण की व्यवस्था है। हॉल के दूसरे छोर पर सभी धर्मों के लिए प्रार्थना स्थल बनाया गया है। हॉल के बीच में बैठाकर भोजन करवाने की व्यवस्था है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 250 गरीब परिवार के तीमारदारों को इस सुविधा से लाभ पहुंचाया जा रहा है। विजयश्री फाउंडेशन भावना की संस्थागत सदस्य है। यह सेवा इस संस्था द्वारा विगत् 2 वर्षों से निरन्तर की जा रही है।

तीमारदारों का चयन :- प्रतिदिन गरीब तीमारदारों के चयन के लिए संस्था द्वारा मेडिकल कॉलेज के वार्डों में 250 कूपन वितरित किये जाते हैं। वार्ड के डॉक्टर द्वारा गरीब परिवार के तीमारदारों का चयन कियाजाता है एवं उन्हें कूपन दिए जाते हैं। कूपन प्राप्त कर तीमारदार प्रसादम हॉल में भोजन व्यवस्था प्राप्त करते हैं।

भोजन व्यवस्था :- संस्था द्वारा परिसर में लगभग 250 व्यक्तियों के लिए शाकाहारी भोजन बिना प्याज एवं लहसुन के सफाई के साथ तैयार किया जाता है। भोजन में रोटी, चावल, दाल एवं सब्जी दी जाती है। कभी-कभी साथ में हलवा या मिठाई भी दी जाती है। हर व्यक्ति को प्रेम पूर्वक बैठाकर चौकी पर भरपेट भोजन परोसा जाताहै। भोजन के बाद हर व्यक्ति अपना भोजन थाल स्वयं साबुन से साफ कर **पोटासियम परमैगनेट** एवं साफ पानी के घोल में रखता है। थाल को पुनः

पोंछकर अगली सेवाके लिए तैयार किया जाता है। एक बार में लगभग 30 से 35 व्यक्ति भोजन प्राप्त करते हैं। शेष लोग परिसर के बाहर छाया में कुर्सियों पर विश्राम करते हैं।

सफाई व्यवस्था :- परिसर को निरंतर साफ रखा जाता है। एक बार भोजन देने के बाद अगली बार के लिए स्थान को पुनः साफ किया जाता है। दिन के अंत में पूरे परिसर को धोया जाता है। सफाई के लिए परिसर में जूता एवं चप्पल नहीं लाया जाता है।

रोटी बनाने की मशीन :- परिसर में माह अक्टूबर 2016 में एक रोटी बनाने की मशीन लगाई गयी है। इस मशीन में रोटी बनाने के लिए आटे की लोई बनाकर मशीन में बारी-बारी से डाला जाता है एवं मशीन द्वारा एक घंटे में लगभग 800 रोटी तैयार की जाती है।

वित्त व्यवस्था :- लगभग 250 व्यक्तियों का भोजन तैयार करने में प्रतिदिन लगभग 11000.00 का व्यय होता है। प्रतिदिन लगभग 35 किलो आटा, 12 किलो दाल, 20 किलो चावल, 20 किलो आलू, अन्य सब्जियां, घी, तेल एवं मसाले आदि प्रयोग किया जाता है।

वित्तीय प्रबंध :- इस व्यय की प्रतिपूर्ति मुख्यतया समाज के लोगों एवं संस्थाओं से प्राप्त दान/सहयोग से की जाती है। इस कार्य के लिए विभिन्न लोगों से संपर्क कर परिवार के विशेष दिनों जैसे बच्चों के जन्म दिन, माता-पिता की पुण्य तिथि आदि के अवसर पर एक दिन भोजन की व्यवस्था में सहयोग के लिए अनुरोध किया जाता है। वित्तीय सहयोग के साथ परिवार जन मनोयोग से भोजन देने एवं सफाई में भी सहयोग करते हैं इसके अतिरिक्त हर माह में कुछ आटा, चावल या अन्य सामग्री में सहयोग के लिए भी अनुरोध किया जाता है।

प्रेस कवरेज एवं पुरस्कार :- विजयश्री फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में लखनऊ के लगभग सभी प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा संस्था के कार्यों की सराहना की गयी है एवं इस सम्बन्ध में लेख प्रकाशित किये गए हैं। संस्था द्वारा लखनऊ में ऐशबाग, खरगापुर, गोमती नगर, बुलाकी अड्डा, डालीबाग क्षेत्र में आग लगने के बाद विस्थापित गरीब लोगों की भी सहायता कैम्प लगाकर की गयी है। संस्था के कार्यों को जिला अधिकारी लखनऊ, आयुक्त लखनऊ, यातायात पुलिस विभाग एवं इन्कम टैक्स के अधिकारियों एवं अन्य सम्मानित नागरिकों/संस्थाओं द्वारा प्रशस्ति पत्र दिए गए हैं।

अपील :- विजयश्री फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा **प्रसादम सेवा कार्यक्रम** समाज से प्राप्त सहायता के बिना संचालित नहीं किया जा सकता है। भावना द्वारा प्रति माह रुपए 5000.00 का सहयोग किया जाता है एवं अपने सदस्यों से यथाशक्ति सहयोग करने की अपील की जाती है। सदस्यों से प्राप्त राशि को विजयश्री फाउंडेशन को दे दिया जाता है।

हर माह की 19 तारीख को भावना परिवार की ओर से सेवा की जाती है एवं भावना प्रसादम सेवा प्रकोष्ठ के सचिव श्री राजेन्द्र कुमार चुघ द्वारा सभी सदस्यों को इसकी सूचना दी जाती है एवं सेवा के लिए आमंत्रित किया जाता है। माह मई की 19 तारीख को भी भावना परिवार की ओर से सेवा की गयी जिसमें भावना के 5 सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त माह मई 17 में 3 अन्य अवसरों पर सदस्यों द्वारा सेवा में सहायता प्रदान की गयी। दिनांक 11 मई को श्री मनोज कुमार गोयल एवं श्रीमती अर्चना गोयल ने अपने विवाह दिवस पर सहयोग किया। दिनांक 16 मई को श्री डी.एस. शुक्ला जी ने भारत विकास परिषद, इंदिरा नगर के सदस्यों का सहयोग कराया एवं दिनांक 26 मई को श्रीमती नीलम चुघ ने अपने पिताजी की पुण्य तिथि पर सहयोग किया।

भावना के सभी सम्मानित सदस्यों से भावना प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ में सहयोग देने के लिए अपील की जाती है। राशन के रूप में सेवा सीधे प्रसादम सेवा में की जा सकती है। आर्थिक सहयोग के लिए भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति - प्रसादम सेवा के पक्ष में चेक दिया जा सकता है।

क्षणः कणशश्चैव विद्यां अर्थ न साधयेत्। क्षणे नष्टे कुतो विद्या कणे नष्टे कुतो धनम्।।

अर्थ-क्षण-क्षण का उपयोग सीखने के लिए और प्रत्येक छोटे से छोटे सिक्के का उपयोग उसे बचाकर रखने के लिए करना चाहिए। क्षण को नष्ट करके विद्या प्राप्ति नहीं की जा सकती और सिक्कों को नष्ट करके धन नहीं प्राप्त किया जा सकता।

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की प्रबन्धकारिणी की जय शंकर सभागार, कैसरबाग, लखनऊ में 16 मार्च, 2017 को हुई बैठक का कार्यवृत्त

सौजन्य से : माननीय श्री सुभाष चन्द्र चावला, श्री राम बाबू गंगवार, श्री दुखी नाथ राम, श्री राजेन्द्र प्रसाद चुघ तथा डॉ. सुशील कुमार मित्तल।

उपस्थिति : प्रबंधकारिणी के संरक्षक, प्रबंधकारिणी के सदस्य तथा स्थाई आमंत्री - 38 सदस्य।

अन्य विशिष्ट सदस्य तथा विशेष आमंत्री - 24 सदस्य। अनुपस्थित पदाधिकारी :- 36 सदस्य।

कार्यवाही विवरण : माननीय अध्यक्ष महोदय के सभापतित्व में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए:-

1. प्रबन्धकारिणी की 14 फरवरी, 2017 को हुई बैठक का कार्यवाही विवरण विचारोपरान्त अनुमोदित कर दिया गया।

2. 5 मार्च, 2017 को राय उमानाथ बली प्रेक्षाग्रह, कैसरबाग, लखनऊ में सम्पन्न हुए भावना के सत्रहवें वार्षिक महाधिवेशन के कार्यवाही विवरण तथा पारित प्रस्तावों को सभा में पढ़ कर सुनाया गया जिन्हें सभा ने विचारोपरान्त अनुमोदित कर दिया।

3. सभा में उपस्थित भावना के नये बने/बनने वाले सदस्यों श्री सुरेन्द्र नारायण सिंह टन्डन (विशिष्ट सदस्य) तथा श्री सुरेन्द्र कुमार बाजपेई (विशिष्ट सदस्य) का परिचय कराया गया। सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से नये सदस्यों का स्वागत किया।

4. अध्यक्ष महोदय ने बड़ी अप्रसन्नता के साथ सभा को अवगत कराया कि 5 मार्च, 2017 को राय उमानाथ बली प्रेक्षाग्रह, कैसरबाग, लखनऊ में आयोजित हुए समिति के सत्रहवें वार्षिक महाधिवेशन में, यद्यपि कोरम भली प्रकार पूरा था तथापि, प्रबंधकारिणी के 31 सदस्य अनुपस्थित थे। अध्यक्ष महोदय ने अनुपस्थित रहे सभी 31 सदस्यों के नाम भी पढ़कर सुनाए। अध्यक्ष महोदय ने प्रबंधकारिणी के सभी निर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारियों तथा सदस्यों एवं स्थाई आमंत्रियों से अपेक्षा की कि वे भविष्य में होने वाली समिति की ऐसी सभी प्रकार की बैठकों तथा कार्यक्रमों में अवश्य ही उपस्थित हुआ करेंगे जिनमें उनकी उपस्थिति अपेक्षित होगी।

5. वर्ष 2017-18 के लिए प्रबंधकारिणी में सदस्यों को मनोनीत करने हेतु सभा में विचार किया गया और सभा ने इसके लिये माननीय अध्यक्ष महोदय को अधिकृत कर दिया।

6. वर्ष 2017-18 में भावना के विभिन्न प्रकार के दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रकोष्ठों के गठन तथा उन प्रकोष्ठों के सचिव/संयोजक एवं सदस्यों को नियुक्त करने के लिये भी सभा ने माननीय अध्यक्ष महोदय को अधिकृत कर दिया। अध्यक्ष महोदय ने सभा में उपस्थित सदस्यों से अनुरोध किया कि जो सदस्य इन प्रकोष्ठों में कार्य करना चाहते हैं वे अपना नाम उनको दो तीन दिन में दे दें जिससे प्रकोष्ठों में नियुक्ति का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जा सके।

7. गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी होली मिलन समारोह 21 मार्च, 2017 को श्रीमती अर्चना एवं श्री मनोज कुमार गोयल के सौजन्य से उपलब्ध ''गोयल फार्म हाउस'', जैनेसिस क्लब परिसर, कुर्सी रोड, लखनऊ में मनाया जायेगा। औपचारिक निमंत्रण ई मेल तथा व्हाट्सैप द्वारा भेज दिया जायेगा। समारोह सायं 5 बजे प्रारम्भ होगा तथा रात्रि-भोज के साथ समाप्त होगा। सदस्यगण सपरिवार समय से आना सुनिश्चित करें ।

8. एन.सी.आर. शाखा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार शर्मा ने एन.सी.आर. में येडा से 3000 वर्ग मीटर प्लॉट के आवंटन एवं उस पर बनाये जाने वाले ओल्ड एज होम के बारे में सभा को विस्तार बताया। उन्होंने सभा में उपस्थित सदस्यों से कहा कि जो इस ओल्ड एज होम में रहना चाहते हैं वे 31 मार्च, 2017 तक एक लाख (100000.00) रुपए में जमा कर अपना स्थान सुरक्षित करा सकते हैं। इसके लिये माननीय अध्यक्ष महोदय ने एक अपील ई-मेल द्वारा सभी सदस्यों को भेजी है।

कार्यक्रम के अंत में सभा में उपस्थित सभी सदस्यों की ओर से तथा अपनी ओर से भी अध्यक्ष महोदय ने बैठक के मेजबान सदस्य माननीय श्री सुभाष चन्द्र चावला, श्री राम बाबू गंगवार, श्री दुखी नाथ राम, श्री राजेन्द्र प्रसाद चुघ तथा डॉ. सुशील कुमार मित्तल को धन्यवाद दिया एवं सभी को स्नेहभोज के लिये आमंत्रित किया।

श्री जगत बिहारी अग्रवाल, महासचिव प्रशासन द्वारा अपने पत्रांक : भावना/प-005/2492
दिनांक 12 अप्रैल, 2017 द्वारा प्रसारित।

<u>भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की प्रबन्धकारिणी की जय शंकर प्रसाद सभागार, कैसरबाग, लखनऊ में 17 मई, 2017 को हुई बैठक का कार्यवृत्त संशोधित कार्यवृत्त - देखें प्रस्तर 11 तथा 12</u>

सौजन्य सेः माननीय श्री नरेन्द्र कुमार रस्तोगी, श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, श्री दिनेश कुमार, श्री सुशील कुमार तथा श्री राम अवतार गुप्ता।

<u>उपस्थितिः</u> प्रबंधकारिणी के संरक्षक, प्रबंधकारिणी के सदस्य तथा स्थाई आमंत्रीः 34 सदस्य।

अन्य विशिष्ट सदस्य तथा विशेष आमंत्रीः 25 सदस्य। गैर-सदस्य आमंत्रीः 6 सदस्य। अनुपस्थित पदाधिकारीः 41 सदस्य।

कार्यवाही विवरण :- माननीय अध्यक्ष महोदय के सभापतित्व में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से निम्न निर्णय लिए गएः-

1. प्रबन्धकारिणी की 16 मार्च, 2017 को हुई बैठक का कार्यवाही विवरण विचारोपरान्त अनुमोदित कर दिया गया।

2. भावना के नये बने सदस्यों का परिचय कराया गया। इन सदस्यों में श्री विजय कान्त खरे,श्री कृष्ण चान्दना तथा श्रीमती रीटा चान्दना के नाम उल्लेखनीय हैं। सभी उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से नये सदस्यों का स्वागत किया।

3. महासचिव (प्रशासन) ने सभा को अवगत कराया कि 15 मई, 2017 को भावना का डे-केयर सेन्टर श्री सुभाष चन्द्र विद्यार्थी के सौजन्य से उनके निवास स्थान 1/22,सेक्टर-सी, प्रियदर्शनी कालोनी, लखनऊ में आरम्भ हो गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भावना-सदस्य उपस्थित थे। भावना डे-केयर सेन्टर का कार्य-समय सायं 5 से 8 बजे निर्धारित किया गया है।

4. महासचिव (प्रशासन) ने सभा को अवगत कराया कि 15 मई,2017 को ही भावना का परमार्थ फ़िजियोथेरेपी सेन्टर भी भावना के वॉलन्टियर सदस्य, डॉ. अमित सिंह के सौजन्य से 534/89,के-1, सेक्टर-एम, अलीगंज, लखनऊ में प्रारम्भ किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भावना-सदस्य उपस्थित थे। ''नो प्रॉफिट - नो लॉस'' के सिद्धांत पर संचालित इस सेन्टर में भावना-सदस्य 50 रुपये प्रति सिटिंग, अति गरीब गैर-भावना-सदस्य 20 रुपये प्रति सिटिंग तथा अन्य गैर-भावना-सदस्य 100 रूपये प्रति सिटिंग का सहयोग देकर फ़िजियोथेरेपी का लाभ ले सकते हैं। भावना परामार्थ फ़िजियोथेरेपी सेन्टर का कार्य-समय सायं 5 से 9 बजे निर्धारित किया गया है।

5. महासचिव (प्रशासन) ने सभा को अवगत कराया कि गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी शिक्षा सहायता योजना के अंर्तगत कक्षा 1 से 12 तक के छात्र/छात्राओं को आर्थिक सहयोग दिया जायेगा। गत वर्ष 130 छात्र/छात्राओं को आर्थिक सहयोग दिया गया था इस वर्ष 140 छात्र/छात्राओं को आर्थिक सहयोग देने का संकल्प है। गत वर्ष बी.एससी. प्रथम वर्ष में अध्ययन हेतु दो छात्राओं को आर्थिक सहयोग दिया गया था। यदि उनका प्रथम वर्ष का परीक्षा-फल उत्तम रहा तो इस वर्ष भी उन्हें बी.एससी. द्वितीय वर्ष में अध्ययन हेतु आर्थिक सहयोग दिया जाएगा। साथ ही साथ कम से कम दो अन्य छात्र/छात्राओं को भी स्नातक कक्षा के प्रथम वर्ष में अध्ययन हेतु आर्थिक सहयोग दिया जायेगा। भावना के सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया कि शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक धनराशि का दान शीघ्र से शीघ्र देने का कष्ट करें जिससे माह अगस्त में चयनित छात्र/छात्राओं की पहली किस्त का भुगतान करने में कठिनाई न आये।

6. महासचिव (प्रशासन) ने सभा को अवगत कराया कि अनौपचारिक शिक्षा के एक केन्द्र का संवालन श्री अमरनाथ जी के नेतृत्व में अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ द्वारा सफलता पूर्वक किया जा रहा है। इस पर हर वर्ष लगभग एक लाख रुपए का व्यय आता है। सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया कि वे अधिक से अधिक धनराशि का दान शीघ्र से शीघ्र इस मद में देने तथा दिलाने का कष्ट करें जिससे अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र के संचालन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

7. सभा को अवगत कराया गया कि माननीय अध्यक्ष जी के प्रयास से पुणे की एक कम्पनी ने अनौपचारिक शिक्षा हेतु प्रति वर्ष एक लाख रुपये देने की सहमति दी है। कम्पनी ने इस वर्ष के लिए 50 हजार रुपये दे भी दिये हैं तथा कहा है कि शीघ्र ही वे शेष 50 हजार रुपये भी दे देंगे। पूरी धनराशि प्राप्त होने के बाद अनौपचारिक शिक्षा का एक और केन्द्र स्थापित करने पर विचार किया जायेगा।

8. एन.सी.आर. शाखा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार शर्मा ने एन.सी.आर. में येडा से भावना के हित में हुए 3000 वर्ग

मीटर प्लॉट के आवंटन एवं उस पर बनाये जाने वाले ओल्ड एज होम के बारे में सभा को विस्तार से बताया। उन्होंने सभा में उपस्थित सदस्यों को बताया कि जो भी भावना-सदस्य इस ओल्ड एज होम के संस्थापक सदस्य बनना चाहते हैं वे 30 जून, 2017 तक एक लाख रुपए का दान इस मद में कर दें। इस परियोजना की पूरी नियमावली ई-मेल तथा व्हाट्सैप के माध्यम से सभी सदस्यों को प्रेषित की जा चुकी है। सदस्यों के अनुरोध पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी ने नियमावली की प्रति पुनः ई-मेल पर डालने का आश्वासन दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी ने एन.सी. आर. शाखा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार शर्मा को एक लाख रुपये के दान का चेक अपनी ओर से ओल्ड एज होम की संस्थापक सदस्यता हेतु दिया। अनेक सदस्यों ने तमाम जानकारियों के लिये अनेक प्रश्न किये जिनके उत्तर एन.सी.आर. शाखा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार शर्मा ने सभा में दिए। उन्होंने कहा जिनको जो भी जानकारियां चाहिये वह उन्हें फोन करके या ई-मेल करके ले सकते हैं।

9. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी ने सभा को अवगत कराया कि 19 मई, 2017 को वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना, प्रमुख महासचिव श्री राम लाल गुप्ता एवं विशिष्ट सदस्य श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी के विवाह की 50वीं वर्षगांठ है। सभा द्वारा करतल ध्वनि के साथ उन्हें बधाईयां एवं शुभकामनायें दी गईं। श्री सुशील शंकर सक्सेना द्वारा इस उपलक्ष्य में 5001 रुपए का दानभावना को देने की घोषणा की गई। श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी द्वारा भी इस उपलक्ष्य में 11000 रुपए का चेक भावना को प्रसादम सेवा हेतु दिया गया। सम्प्रेक्षक श्री मनोज कुमार गोयल ने भी 11 मई, 2017 को अपने विवाह की 52वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 5000 रुपए का सहयोग भावना को प्रसादम सेवा हेतु दिया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री विनोद कुमार शुक्ल** जी ने सभा को भावना के सदस्यों के माह मई, 2017 व जून, 2017 में पड़ने वाली विवाह की 50वीं वर्षगांठ तथा समान्य वर्षगांठ के बारे में अवगत कराते हुए सम्बंधित सदस्यों से अनुरोध किया कि वे अपनी इन विशेष तिथियों के उपलक्ष्य में भावना के जनहितकारी कार्यक्रमों के लिए कुछ न कुछ आर्थिक सहयोग अवश्य प्रदान करें।

10. भावना का अठारहवाँ स्थापना दिवस रविवार, **20 अगस्त, 2017** को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय के नेतृत्व में माननीय उपाध्यक्ष, प्रमुख महासचिव, तीनों महासचिव, चारों उपमहासचिव, कोषाध्यक्ष तथा दोनों सह-कोषाध्यक्ष इस हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय रहते सुनिश्चित करेंगे।

11. सभा में माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय द्वारा वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के सचिव/संयोजक, डॉ. नरेन्द्र देव, की नव-रचित पुस्तिका, **"आहार विहार के प्रभावी सूत्र"** का लोकार्पण भी किया गया। डॉ. नरेन्द्र देव ने अपने सम्बोधन में इस पुस्तिका की रचना करने के उद्देश्य तथा इसकी अंतर्वस्तु के विषय में भी सभा को अवगत कराया एवं कहा कि सार्वजनिक हित की इस पुस्तिका का मूल्य सोच समझ कर मात्र दस रुपए इस लिए रखा गया है ताकि सभी लोग इसे खरीद कर तथा पढ़कर लाभान्वित हो सकें। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने इस पुस्तिका को हाथों-हाथ खरीद भी लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय ने अपनी ओर से तथा सभा की ओर से भी लगभग नगण्य मूल्य पर इतनी उपयोगी पुस्तिका समाज को उपलब्ध कराने के लिए डॉ. नरेन्द्र देव को धन्यवाद ज्ञापित किया।

12. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल जी ने सभा को अवगत कराया कि वे आगामी **22 मई, 2017 से 27 अगस्त**, 2017 तक देश से बाहर कैलगरी (कनाडा) तथा फिलेडेल्फिया (अमरीका) में रहेंगे परन्तु इस दौरान भी वे ई-मेल तथा व्हाट्सैप पर बराबर उपलब्ध रहेंगे। व्हाट्सैप पर फोन तथा विडियोकॉलिंग की सुविधा भी उपलब्ध है।

कार्यक्रम के अंत में सभा में उपस्थित सभी सदस्यों की ओर से तथा अपनी ओर से भी अध्यक्ष महोदय ने बैठक के मेजबान सदस्यों माननीय श्री नरेन्द्र कुमार रस्तोगी, श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, श्री दिनेश कुमार, श्री सुशील कुमार तथा श्री राम अवतार गुप्ता को धन्यवाद दिया एवं सभी को स्नेहभोज के लिये आमंत्रित किया।

श्री जगत बिहारी अग्रवाल-महासचिव प्रशासन द्वारा पत्रांकः भावना/प-005/2513
दि. 12 जून, 2017 द्वारा प्रसारित।

भावना संदेश मार्च-2017 के प्रकाशन के बाद बने नये सदस्यों की सूची

सदस्यता क्र.- एम-47/831
श्रीमती मोनिका सेवानी, गृहणी
13/202, दीपक, सहारा स्टेट्स, जानकीपुरम्,
लखनऊ-21 फोनः 08601772941
ई.मेलः sewanipiya@gmail.com
DOB:23/01/1963 MD:29/05/1981

सदस्यता क्र.- के-55/832
श्री कृष्ण चांदना, व्यापारी
561/101/2, सिन्धुनगर, कृष्णानगर,लखनऊ
फोनः 0522-4005466/09129897616
ईमेलः krishan.chandna123@gmail.com
DOB:25/03/1956 MD:06/12/1982

सदस्यता क्र.- आर-105/833
श्रीमती रीटा चांदना, गृहणी
561/101/2, सिन्धुनगर, कृष्णानगर, लखनऊ
फोनः 0522-4005466/09129897616
ई.मेलः krishan.chandna123@gmail.com
DOB:05/04/1958 MD:06/12/1982

सदस्यता क्र.- बी-34/834 (विशिष्ट सदस्य)
श्री ब्रह्मानन्द गुप्ता
चीफ इंजीनियर (से.नि.), सी.पी.डब्लू.डी.
एफ/ए-230, लाजपत नगर, साहिबाबाद,
गाजियाबाद। फोन : 0120-4155824/09810616602
ई.मेलः prambng@yahoo.co.in
DOB:03/05/1944 MD:13/12/1966

सदस्यता क्र.- पी-50/835 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती प्रमिला गुप्ता, गृहणी
एफ/ए-230, लाजपत नगर, साहिबाबाद,
गाजियाबाद-201005, उ.प्र.
फोन : 0120-4155824/09810616602
ई.मेलः prambng@yahoo.co.in
DOB:05/06/1946 MD:13/12/1966

सदस्यता क्र.- वी-56/836 (विशिष्ट सदस्य)
श्री वेद प्रकाश खुराना, व्यापारी
बी-123, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017
फोन : 09899222233
ई.मेलः vedkhurana@hotmail.com
DOB:23/01/1957 MD:13/08/1981

सदस्यता क्र.- वी-57/837 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती खुराना, गृहणी
बी-123, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017
फोन : 09899222233
ई.मेलः vedkhurana@hotmail.com
DOB:28/06/1963 MD:13/08/1981

सदस्यता क्र.- के-56/838 (विशिष्ट सदस्य)
श्री कृष्ण देव प्रसाद खरे
मु.अभि. स्तर-1 (से.नि.), उ.प्र.रा.वि.परिषद
7/301, यूनिटेक गार्डेन, सेक्टर-जे, साउथ सिटी,
लखनऊ-226025 फोन : 09839692179
ई.मेलः kdpkhare@gmail.com
DOB:21/03/1945 MD: 05/06/1963

सदस्यता क्र.- जे-25/839 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती जयन्ती खरे, गृहणी
7/301, यूनिटेक गार्डेन, सेक्टर-जे, साउथ सिटी,
लखनऊ-226025 फोन : 09839692179
ई.मेलः kdpkhare@gmail.com
DOB:01/06/1939 MD:05/06/1963

सदस्यता क्र.- के-57/840 (विशिष्ट सदस्य)
डॉ. किरन मराली, अध्यक्ष (से.नि.)
हिन्दी विभाग, पी.जी. कॉलेज, भाटपाररानी, देवरिया
चन्द्रकुटी, 74/14, विजयनगर, गुरूद्वारा रोड,
लखनऊ-04 फोन : 09450679196
ई.मेलः kiranmarali2@gmail.com
DOB:05/05/1946 MD:14/02/1997

सदस्यता क्र.- वी-58/841 (विशिष्ट सदस्य)
श्री विनय कुमार
मुख्य महा.(से.नि.), इन्जीनियर्स इन्डिया लि.
टी-40, सेक्टर 12, नोयडा-201301, उ.प्र.
फोन : 09810358516
ई.मेलः kv_200449@yahoo.com
DOB:02/01/1954 MD: 18/10/1985

सदस्यता क्र.- के-58/842 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती कुमुद गुप्ता
सी.टी.ओ. (से.नि.), वाणिज्य कर विभाग,
टी-40, सेक्टर 12, नोयडा-201301
फोन : 09810358516
ई.मेलः kv_200449@yahoo.com
DOB:11/12/1956 MD: 18/10/1985

सदस्यता क्र.- एम-48/843

श्री महेश चन्द्र द्विवेदी
पुलिस महानिदेशक (से.नि.), उत्तर प्रदेश
1/137, विवेक खंड, गोमती नगर, लखनऊ
फोनः 0522-2304276/09415063030
ई.मेलः mcdewedy@yahoo.com
DOB:07/07/1941 MD: 14/06/1965

सदस्यता क्र.- एन-44/844

श्रीमती नीरजा द्विवेदी
अध्यक्ष, ज्ञान प्रसार संस्थान
1/137, विवेक खंड, गोमती नगर, लखनऊ
फोनः 0522-2304276/09415063030
ई.मेलः mcdewedy@yahoo.com
DOB:05/03/1946 MD: 14/06/1965

सदस्यता क्र.- के-59/845

श्री कपिल अग्रवाल, व्यापारी
बी-5/210, विवेकानन्द अपार्टमेन्ट्स,
सेक्टर 8, रोहिणी, दिल्ली-110085
फोनः 011-49901395/09891185917
ई.मेलः kapilaggarwala2@yahoo.co.in
DOB:30/10/1963 MD: 16/05/1991

सदस्यता क्र.- एस-179/846

श्रीमती साधना अग्रवाल, गृहणी
बी-5/210, विवेकानन्द अपार्टमेन्ट्स,
सेक्टर 8, रोहिणी, दिल्ली-110085
फोनः 011-49901395/09891185917
ई.मेलः kapilaggarwala2@yahoo.co.in
DOB:10/06/1967 MD: 16/05/1991

सदस्यता क्र.- एस-180/847

श्री श्याम कृष्ण शुक्ला शर्मा
प्रबन्धक,उ.प्र.कृषि एवं भूमि विकास बैक लि.
सी-23, सेक्टर -बी,अलीगंज, लखनऊ
फोन : 95548898410, 9415476810
ई.मेलः skshukla1949@gmail.com
DOB:01/12/1949 MD:15/02/1976

Health Awareness Accupressure

In coordination with Sri U.N. Sharma, Retired Officers from HAL & Self efforts, the programmes of HEALTH AWARENESS & Accupressure Training were conducted at the places mentioned below :

	PLACE PARTICIPANT	DATE	
1.	SR Global School	6.3.2017	9th Class (28 Girls + 48 boys) & Staff
2.	A-100, Indira Nagar, Hall	23 to 25-3-17	Training (4 Female + 6 Male)
3	Mirand Hotel, Nirala Nagar	19.4.17	Bank of Baroda (Retd. Officers 67)
4.	Hind Institute of Medical Science Sitapur		
	(a) MBBS Course	25.4.2017	300 Students +Faculty
	(b) Nurses Training Course	25.4.2017	150 Students (Female)+Faculty
5.	A-100 Indira Nagar, Hall	7 to 9-.5.2017	Training (6 Female + 15 male)

In addition to above, Book on "AAHAR-VIHAR KE PRABHAVI SOOTRA" written by me was unveiled by Sri V.K. Shukla, Presdent, BHAVANA on 17.5.2017 in the Executive meeting of BHAVANA.

Dr. Narendra Deo

भावना फिजियोथेरेपी सेन्टर

भावना का फिजियोथेरेपी सेन्टर दिनांक 15 मई, 2017 को 534/89, के.ए.-1, सेक्टर-एम, अलीगंज, लखनऊ में खुल गया है। इस सेन्टर पर भावना सदस्य 50 रुपये, अति गरीब 20 रुपये एवं अन्य सदस्य 100 रुपये प्रति सिटिंग फिजियोथेरेपी ले सकते हैं। सेन्टर खुलने का समय सायं 5 बजे से 9 बजे है। डॉ. अमित का मोबाइल नं. 9565998001 है। आप सभी लोगों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में थेरेपी सेन्टर में जाकर थेरेपी का लाभ उठाएं। यह केन्द्र भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति द्वारा संचालित है।

भावना द्वारा प्रायोजित एवं वित्तपोषित जन-हित के विभिन्न कार्यक्रमों हेतु आर्थिक सहयोग दाताओं की सूची
(05 मार्च,2017 से 31 मार्च,2017 तक)

क्र0 सं0	दाता का नाम	सदस्यता संख्या	प्राप्त सहयोग रुपयों में					
			शिक्षा सहायता	निर्धन जन सेवा	भावना रसोई एवं प्रसादम सेवा हेतु	साक्षरता अभियान सहायता	अन्य कार्यक्रम	योग
1	श्रीमती आशा गोयल	A-10/119/Vishist			1200.00			1200.00
2	श्री नरेश भार्गव	N-39/734			600.00			600.00
3	श्री दिलीप कुमार वर्मा	गैर सदस्य			500.00			500.00
4	श्रीमती नीलम चुघ	N-26/429			600.00			600.00
5	श्रीमती मधु लता	गैर सदस्य			500.00			500.00
6	श्रीमती उषा जैन	गैर सदस्य			600.00			600.00
7	श्रीमती अंजु गुप्ता	गैर सदस्य			600.00			600.00
8	श्री जगदीश गांधी					10000.00		10000.00
9	श्री रवीन्द्र कुमार सक्सेना	**R-3/22**	1200.00					1200.00
10	श्री दरोगा पाण्डेय	**D-31/777**				2000.00		2000.00
11	श्रीमती श्याम बाला सिंह	**S-7/369**	1200.00					1200.00
12	उ0प्र0 विद्युत पेंशनर परिषद	**V-37/462**	9600.00					9600.00
13	श्रीमती सुमित्रा शुक्ला	**V-17/237**	1500.00					1500.00
14	विद्या सागर फाउन्डेशन	गैर सदस्य	10000.00					10000.00
15	प्रभात प्रशान्त वालन्टियर,ब्यूरो	गैर सदस्य	10000.00					10000.00
16	श्री सुभाष चन्द्र चावला	S-13/88/Vishist			1100.00			1100.00
17	श्री राजीव अग्रवाल	गैर सदस्य			20000.00			20000.00
18	श्री धीरज सिंह	गैर सदस्य			8000.00			8000.00
19	श्री कमल कुलश्रेष्ठ	गैर सदस्य			5000.00			5000.00
20	श्री संजय कुलश्रेष्ठ	गैर सदस्य			5000.00			5000.00
21	श्रीमती भावना शुक्ला	गैर सदस्य			5000.00			5000.00
22	कु0 ऋुति जैन	गैर सदस्य	2500.00					2500.00
23	मि0 आदित्य जैन	गैर सदस्य	2500.00					2500.00
24	श्री आर. के. अग्रवाल	गैर सदस्य	3000.00					3000.00
25	श्री एम.के.गुप्ता	गैर सदस्य	2000.00					2000.00
योग			**43500.00**	**0.00**	**48700.00**	**12000.00**	**0.00**	**104200.00**

निर्मल मन जन सो मोहि पावा। मोहि कपट-छल छिद्र न भावा।।

मान-सम्मान का भाव, छल-कपट, स्वार्थभाव, भोग-भाव, ऐयाशी, बनावटी तड़क-भड़क, झूठी प्रशंसा, चाटुकारिता आदि का त्याग ही निःस्वार्थ भाव है। यही वास्तविक सेवा है, निर्मलता है।

भावना द्वारा प्रायोजित एवं वित्तपोषित जन-हित के विभिन्न कार्यक्रमों हेतु आर्थिक सहयोग दाताओं की सूची
(01 अप्रेल, 2017 से 31 मई, 2017 तक)

क्र0 सं0	दाता का नाम	सदस्यता संख्या	प्राप्त सहयोग रुपयों में					
			शिक्षा सहायता	निर्धन जन सेवा	भावना रसोई एवं प्रसादम सेवा हेतु	साक्षरता अभियान सहायता	अन्य कार्यक्रम	योग
1	श्री विनोद कुमार शुक्ला	**V-1/1/Vishist**	8500.00	8500.00		8500.00	15000.00	40500.00
2	श्रीमती उमाशशि मिश्रा	**U-10/475/Vishist**	3600.00					3600.00
3	सुश्री अर्पणा अवस्थी	गैर सदस्य	2400.00					2400.00
4	श्री राम मूर्ति सिंह	R-82/653/ Vishist			600.00			600.00
5	श्री नरेश भार्गव	N-39/734			600.00			600.00
6	श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह	D-15/235			600.00			600.00
7	श्री दिलीप कुमार वर्मा	गैर सदस्य			1500.00			1500.00
8	श्रीमती नीलम चुघ	N-26/429			6200.00			6200.00
9	श्री दुर्गेश तिवारी	गैर सदस्य			600.00			600.00
10	श्रीमती मधु लता	गैर सदस्य			4500.00			4500.00
11	श्रीमती उषा जैन	गैर सदस्य			600.00			600.00
12	श्री अशोक वर्मा	गैर सदस्य			800.00			800.00
13	श्रीमती अंजु गुप्ता	गैर सदस्य			600.00			600.00
14	डॉ अनिल कालका	गैर सदस्य			1000.00			1000.00
15	श्री राजीव अग्रवाल	गैर सदस्य			5000.00			5000.00
16	E.B.A. Solution Ltd, Pune	गैर सदस्य				50000.00		50000.00
17	**श्री मनोज कुमार गोयल**	M-3/111/Vishist			5000.00			5000.00
18	**श्री एन.सी.रस्तोगी**	**N-33/531/Vishist**			11000.00			11000.00
19	श्री नरेन्द्र कुमार रस्तोगी	**N-14/176**		11000.00				11000.00
20	श्री राजीव अग्रवाल	गैर सदस्य			5000.00			5000.00
21	श्री खजान चन्द्रा				5100.00			5100.00
22	**श्री रमेश प्रसाद जायसवाल**	**R-79/633/Vishist**	2500.00			2500.00		5000.00
23	न्यायमूर्ति करन लाल शर्मा	**K-24/449/Vishist**	3000.00					3000.00
24	श्री सुशील कुमार शर्मा	**S-140/625**	1200.00					1200.00
25	श्री सुभाष चन्द्र चावला	**S-13/88/Vishist**	2000.00					2000.00
26	श्री आदित्य प्रकाश सिंह	**A-40/444**	2000.00					2000.00
योग			**25200.00**	**19500.00**	**48700.00**	**61000.00**	**15000.00**	**169400.00**

सूक्तियाँ

1. सत्य स्वतः स्वयं को प्रकट करता है। 2. समय बीतते देर नहीं लगती। 3. प्रभु-मिलन हेतु मन की व्याकुलता चाहिये। 4. सूर्य और धरती के आकर्षण से ॐ ध्वनि निकलती है। 5. करम गति (नियति) टाले नहीं टले। 6. आमार एुदुकु आस करिबो ता आमी (अर्थात् मेरी एक इच्छा है कि अपने को मैं तुम्हारे जैसा बना दूँ प्रभु)। 7. जित्थे जित्थे देखिया, तेरा रूप देखिया (अर्थात् जहां भी देखा, तू ही तू है। 8. भज गोविन्दम मूढ मते। 9. किससे कहूं, कौन ये बूझे, कैसे कहूं कोई शब्द न सूझे। 10. बिना नैतिकता के बेहतर नियति कहाँ?

भावना का सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना) ने बुजुर्गों की देखभाल एवं उनसे निरन्तर सम्पर्क बनाये रखने के उद्देश्य से एक प्रकोष्ठ का गठन किया हुआ है जिसे पहले कम्पेनियनशिप तथा हैल्पलाइन प्रकोष्ठ के नाम से जाना जाता था। दिनांक 25 मार्च-2016 से इसी प्रकोष्ठ को सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ नाम दे दिया गया है। इस प्रकोष्ठ के मुख्य कार्य हैं :-

1. आपात स्थिति में बुजुर्गों को यथा वांछित सहयोग तत्परता से उपलब्ध कराना।
2. जिन अतिवरिष्ठ नागरिकों की सन्तानें उनसे दूर रह रही हैं, उनसे सम्पर्क रखते हुए आवश्यकतानुसार उनकी देखभाल की सुदृढ़ व्यवस्था करना।
3. भावना के दिवंगत हो चुके सदस्यों की विधवाओं से भी सम्पर्क करके आवश्यकतानुसार उनकी देखभाल की सुदृढ़ व्यवस्था करना।
4. व्यक्तिगत सम्पर्क करके निष्क्रिय सदस्यों को समिति के कार्यक्रमों के प्रति सक्रिय बनाने का प्रयास करना।
5. यदाकदा भावना सदस्यों तथा उनके परिजनों की सक्रिय भागीदारी वाले विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के कार्यक्रम, पिकनिक तथा पर्यटन आदि भी नियोजित एवं कार्यान्वित करना।
6. भावना सदस्यों के जन्मदिन तथा विवाह की वर्षगांठ पर उनको व्यक्तिगत मिलकर, फोन से, एस.एम.एस अथवा ई-मेल द्वारा शुभकामना व्यक्त करना।
7. वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर चुके सदस्य-दम्पत्तियों का सार्वजनिक अभिनन्दन करना।

चूँकि लखनऊ शहर काफी बड़ा है अतः पूरे शहर को 10 जोन में बाँटते हुए प्रत्येक जोन के लिए एक प्रभारी नियुक्त किया हुआ है। भावना के सभी सदस्य अपने अपने जोन के प्रभारी से नियमित सम्पर्क बनाये रखें इसलिए उन प्रभारियों के नाम, पते तथा फोन नम्बर नीचे दिए जा रहे हैं -

जोन	क्षेत्र का विस्तार	प्रभारी	प्रभारी का पता	फोन-प्रभारी
जोन-1	इन्दिरा नगर तथा आसपास का क्षेत्र	श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल	15/51 इन्दिरा नगर लखनऊ	09198038889
जोन-2	राजेन्द्र नगर, मोती नगर, आर्य नगर, ऐशबाग तथा आसपास का क्षेत्र	श्री विनोद चन्द्र गर्ग	सी-20 ई-पार्क, महानगर विस्तार, लखनऊ	09415012307
जोन-3	आई.आई.एम रोड, त्रिवेणी नगर सीतापुर रोड के दोनों ओर का क्षेत्र	श्री दीनबन्धु यादव	538क/211, त्रिवेणी नगर सीतापुर रोड, लखनऊ	09956788187
जोन-4	विकासनगर तथा आसपास का क्षेत्र	श्री रामानंद मिश्र	4/370 विकास नगर लखनऊ	09415062778
जोन-5	कानपुर रोड तथा रायबरेली रोड के दोनों ओर का क्षेत्र	श्री अमर नाथ	401-ए,उदयन-1 बंगला बाजार, लखनऊ	09451702105
जोन-6	महानगर तथा आसपास का क्षेत्र	श्री राजेन्द्र कुमार चुघ	डी-43, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ	09450020669
जोन-7	निराला नगर तथा आसपास का क्षेत्र	डॉ. छेदा लाल वर्मा	166, फैजाबाद रोड, निकट रामाधीन कालेज, लखनऊ	09919960317
जोन-8	जानकी पुरम (विस्तार सहित) तथा आसपास का क्षेत्र	श्री सुशील कुमार शर्मा	13/24 यमन, सहारा एस्टेट जानकी पुरम्, लखनऊ	08765351190
जोन-9-	गोमती नगर का सम्पूर्ण क्षेत्र	श्री तीर्थराज मौर्या	504, ओ-ब्लॉक, शारदा अपार्टमेन्टस गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ	09412169590
जोन-10-	अलीगंज एवं आसपास का क्षेत्र	श्री ओम प्रकाश पाठक	111, चन्द्रलोक कालोनी, अलीगंज, लखनऊ।	09415022932

उक्त सभी प्रभारियों के कार्यो का अनुश्रवण करने तथा उन्हें सहयोग देने के लिए भावना समिति के उपमहासचिव श्री रमाकांत पाण्डेय को संयोजक नियुक्त किया गया है। किसी भी क्षेत्र का कोई भी प्रभारी तथा उस क्षेत्र में रहने वाला भावना का कोई भी सदस्य उनसे निम्नलिखित पते अथवा फोन पर सम्पर्क कर सकता है।

श्री रमा कांत पाण्डेय- 13-शिवाजी इन्क्लेव, सी ब्लाक, इन्दिरा नगर, लखनऊ, फोन-09839395439, 09415584568

दीजिए बधाइयाँ

भावना-प्रबंधकारिणी सदस्यों की अप्रैल-मई-जून जुलाई में पड़ी जन्म और विवाह तिथियाँ :-

नाम	जन्मतिथि	फोन
श्री विनोद चन्द्र गर्ग	06 अप्रैल	09415012307
श्री प्रेम शंकर गौतम	08 अप्रैल	09451134894
श्री शिव नारायण अग्रवाल	12 अप्रैल	09839022390
श्री पाल प्रवीण	20 मई	09919238189
श्री अरुण कुमार	02 जून	09839420999
श्री चन्द्र भूषण तिवारी	01 जुलाई	09415910029
श्री अशोक कुमार (मेहरोत्रा)	01 जुलाई	09794122946
श्री महेश चन्द्र निगम	01 जुलाई	09335905126
श्री राम मूर्ति सिंह	02 जुलाई	09415438548
डॉ. श्रीराम सिंह	06 जुलाई	09415438548
डॉ. नरेन्द्र देव	07 जुलाई	09451402349
श्री विश्व नाथ सिंह	14 जुलाई	09415768055
श्री आदित्य प्रकाश सिंह	15 जुलाई	09628180153

विवाह तिथियाँ

श्री अनिल कुमार शर्मा	09 अप्रैल	09868525057
श्री राम बाबू गंगवार	16 अप्रैल	09415114707
श्री सत्य नारायण गोयल	17 अप्रैल	09335243519
श्री चन्द्र भूषण तिवारी	20 अप्रैल	09415910029
श्री युगल किशोर गुप्त	30 अप्रैल	08756125555
श्री रमाकांत पांडे	01 मई	09839395439
श्री विश्व नाथ सिंह	01 मई	09839395439
डॉ. छेदा लाल वर्मा	08 मई	09919960317
श्री सुरेश चन्द्र ब्रह्मचारी	10 मई	09415113453
श्री मनोज कुमार गोयल	11 मई	09335248634
श्री शैलेन्द्र मोहन दयाल	12 मई	09455550616
कर्नल राजेन्द्र नाथ कालड़ा	15 मई	09335815898
श्री विनोद कुमार शुक्ल	15 मई	09335902137
श्री आनन्द कुमार	15 मई	09236182770
श्री राम लाल गुप्ता	19 मई	09335231118
श्री सुशील शंकर सक्सेना	19 मई	09415104198
श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी	19 मई	09452098060
श्री राम मूर्ति सिंह	20 मई	09415438548
डॉ. भानु प्रकाश सिंह	05 जून	09450766586
श्री राजदेव स्वर्णकार	10 जून	09450374814
श्री सतपाल सिंह	11 जून	09839043458
श्री श्रीराम बाजपेयी	11 जून	09415367088
श्री अमर नाथ	17 जून	09451702105
श्री इन्द्र कुमार भारद्वाज	18 जून	09415911702
श्रीमती रंजना मिश्रा	20 जून	09415759280
श्रीमती वीना सक्सेना	22 जून	09415103378
श्री कृष्ण कुमार वर्मा	25 जून	09532405353
श्री पुरुषोत्तम केसवानी	26 जून	09450021082
श्री रामानंद मिश्रा	28 जून	09415062778
श्री पद्म मंगल त्रिवेदी	28 जून	09889202004
डॉ. यदुनाथ सिंह भदौरिया	30 जून	09450390052
श्री शिव शंकर प्रसाद शुक्ल	03 जुलाई	09415058113
श्री सत्यदेव तिवारी	03 जुलाई	09005601992
श्री सुभाष मणि तिवारी	11 जुलाई	09415086952

वैवाहिक तिथियों में इस बार श्री राजदेव स्वर्णकार व श्री रामलाल गुप्ता जी श्री सुशील शंकर सक्सेना तथा श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी की वैवाहिक स्वर्ण जयन्ती और श्री अमरनाथ जी की 55वीं वैवाहिक वर्षगांठ Emerald Anniversary तथा श्री पद्म मंगल त्रिवेदी एवं श्रीमती मंजूश्री त्रिवेदी की (नीलम जयन्ती) 45वीं वर्षगांठ थी।

उक्त जन्म व वैवाहिक तिथियों के लिए सम्बन्धित व्यक्तियों को हार्दिक बधाईयां। बार-बार बधाइयां। ढेर सारी बधाईयां।

(भावना परिवार)

Anniversaries and their Proper Name

Ist	1	Paper	पत्र	XVth	15	Crystal	क्रिस्टल
IInd	2	Cotton	रूई	XXth	20	China	चीनी मिट्टी
IIIrd	3	Leather	चर्म	XXVth	25	Silver	रजत
IVth	4	Flower	पुष्प	XXXth	30	Pearl	मोती
Vth	5	Wood	काष्ठ	XXXVth	35	Coral	मूँगा
VIIth	7	Copper	ताम्र	XLth	40	Ruby	माणिक्य
VIIIth	8	Bronze	कांसा	XLV	45	Sapphire	नीलम
Xth	10	Alluminium	एल्यूमीनियम	Lth	50	Gold	स्वर्ण
XIth	11	Steel	लौह	LV	55	Emerald	पन्ना
XIIth	12	Silk	सिल्क	LX	60	Diamond	हीरक
XIIIth	13	Lace	गोटा	LXXV	75	Platinum	प्लेटीनम
XIVth	14	Ivory	गजदंती	C	100	Secular	सांसारिक

Old Age Homes

BHARATIYA VARISHTHA NAGARIK SAMITI at YEIDA (Delhi-NCR)

Frequently asked questions and their answers :

Question A. How do you define 'Founder Members'

Ans: Founder Members of BHAVANA's first of the Old Age Home(s) are those members of BHAVANA, who have donated for its construction on 3000 sqm plot allotted to BHAVANA at Yamuna Expressway Authority (YEIDA, Delhi NCR), a minimum amount of:

a. Rs one lac till 30th June 2017, OR
b. Rs 4 lacs from 1st July 2017 till 30th Sept 2017, OR
c. Rs 8 lacs from 1st Oct 2017 till 31st Dec 2017, OR
d. Rs 10 Lacs from 1st Jan 2018 till 31st March 2018
e. Rs 12 Lacs from 1st Apr 2018 till its completion & Commissioning

Question B. Clarification on Ownership of Accomodation in Old Age Home?

Ans: 'Founder Members' are to have a special privilege during their life time to:

a. Transfer its ownership to another member of BHAVANA.
b. Can allow any of their friends/ parents/ kins to stay in their life time property on their own authority to avail their life time owned facility *(provided they are above age of 50 yrs and are members of BHAVANA)*.

Question C. Facilities to Resident Owners of Old Age Home?

Ans:

1. *Twin Sharing Room*: Each couple will be given a twin sharing air conditioned room for a life time with an integrally attached kitchenette and handicapped friendly toilet.
2. *Super area:* Each couple to enjoy a super area of 60 sqm (645 sft) for 50 room capacity and 40 sqm (403 sft) for 75 room capacity Old Age Home.
3. *Amenities included* in super area include Twin sharing bed room, drawing room to a cluster of rooms, common dining, at least 4 bedded 24x7 hospital/ dispensary, meditation/ yoga hall, Gym, Restaurent, General store, essential shops/ essential staff qrs, etc of common interest to occupants.
4. *Communication & Security:* Each room to have Intercom, CCTV Security, properly located alarm/ emergency buttons, etc
5. *Medical Care & Medical Emergencies:* At least 4 bedded 24x7 hospital/ dispensary, ambulance, latest technology based monitoring System to be able to identify inactive and/ or seriously sick residents.
6. *Fire safety* as per latest standards
7. *Lifts* for vertical travel.

Question D: Cost of ownership of a twin sharing Room?

Ans: Actual cost will be known on completion. However for Founder members, it is fixed cost. However, timings and amount of payment would determine fixed minimum cost of accommodation as under:

1. ***Rs 15 lacs*** with your spouse, if paid in full before 31st March 2018. Further you would be termed as '*Distinguished Founder Member*' with your name to be displayed on Wall of Fame *with photograph and* donated amount
2. ***Rs 15 lacs*** if paid Rs 10 lacs for self before 31st March 2018 and Rs 5 lacs for spouse

donated later. Only your name to be displayed on Wall of Fame as 'Founder Member' with donated amount.

3. ***Rs 18 lacs,*** if paid minimum

a) Rs 1 lacs by 30th June '17, or

b) Rs 4 lacs by 30th Sept'17, OR

c) Rs 8 lacs by 31st Dec ,17

AND balance amount later than 31st March '18. Only your name to be displayed on Wall of Fame as 'Founder Member' with donated amount.

4. ***Rs 22.50 lacs,*** if paid after completion and commissioning. You will be termed as Ordinary Member. Your name will not be displayed on Wall of Fame.

Question E:. Facility for those not paid/ donated full cost?

Ans:. Founder members are entitled to have partial life time ownership of rent free shared accommodation for number of months = Number of lacs paid X number of years since completion and commissioning.

Question F: What would be the running and maintenance charges? Including cost of food?

Ans: It will be on no profit/ no loss basis, to be determined by a committee of residents of the property.

भावना डे-केयर सेन्टर का उद्घाटन

इं. अनिल कुमार शर्मा

भावना डे-केयर सेन्टर पहले श्री सुमेर अग्रवाल जी के लखनऊ मॉडल हाउस स्थित पैतृक निवास स्थान पर चल रहा था। किन्तु वहां पर आम जनता और भावना के सदस्य जाते नहीं थे। धीरे-धीरे उसकी उपयोगिता लगभग समाप्त हो चुकी थी। इस डे-केयर सेन्टर के सचिव श्री सुभाषचन्द्र विद्यार्थी ने अपने निवास स्थान 1/22, सेक्टर-सी, प्रिदयर्शिनी कॉलोनी, सीतापुर रोड, लखनऊ में स्थानान्तरित कर लिया है। इसका विधिवत् उद्घाटन 15 मई, 2017 को भावना के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय व्यक्तियों के अतिरिक्त भावना के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। महासचिव द्वय श्री जयगत बिहारी अग्रवाल, श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह, उपमहासचिव श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल, सह कोषाध्यक्ष श्री आदित्य प्रकाश सिंह, सचिव पर्यावरण प्रकोष्ठ श्री पाल प्रवीण, सचिव प्रशिक्षण एवं गोष्ठियाँ, डॉ. छेदालाल वर्मा, के साथ साथ श्री अमरनाथ, श्री पुरुषोत्तम केसवानी, श्री विश्वनाथ सिंह, श्री राजदेव स्वर्णकार, डॉ. अमित कुमार सिंह, श्री ललित कुमार, डॉ. एस.आर. सिंह, श्री आर.एस. अग्रवाल, श्री आर.के. अग्रवाल तथा डॉ. वी.के. श्रीवास्तव जी आदि उपस्थित थे। इस डे-केयर सेन्टर पर फिलहाल सदस्यों के मनोरंजन हेतु कैरम, शतरंज, ताश आदि आन्तरिक खेलों की व्यवस्था की गई है। नया कैरमबोर्ड तथा शतरंज की व्यवस्था श्री आर.के. अग्रवाल जी द्वारा कराई गई है। इस सेन्टर के खुलने का समय शाम 5 से 8 बजे तक निर्धारित किया गया है तथा इसके समुचित संचालन हेतु बहुत ही मामूली 10 रुपये मासिक अथवा 100 रुपये वार्षिक सदस्यता शुल्क भी रखा गया है।आईये आप सभी का स्वागत है, इस सेन्टर में। अपनी शाम खेलकूद कर बिताइये और स्वस्थ बने रहिये।

सूचना

भावना के डे-केयर सेन्टर के सचिव श्री सुभाष चन्द्र विद्यार्थी जी ने प्रियदर्शिनी पार्क नवीनीकरण और सौन्दर्यीकरण अपने आवास के सामने स्थित सार्वजनिक पार्क का नाम अब उनकी स्व. पत्नी के नाम पर सन्ध्या पार्क रख दिया गया है।

नीम के पेड़ कम हो रहे हैं, रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती जा रही है।
वाणी में मिठास कम हो रही है, शरीर में सुगर बढ़ती जा रही है।।

एक रपट

पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ

- अमरनाथ

05 जून, 2017 :- विश्व पर्यावरण दिवस पर भावना के पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ की बैठक, लखनऊ-सीतापुर रोड पर स्थित प्रियदर्शिनी कालोनी के सेक्टर-सी में नवविकसित सन्ध्या पार्क में सम्पन्न हुई। इस प्रकोष्ठ के सचिव श्री प्रवीण पाल द्वारा आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता भावना के महासचिव (प्रशासन) श्री जगत बिहारी अग्रवाल द्वारा की गई। मुख्य अतिथि थे लखनऊ के कार्यकारी महापौर श्री सुरेश चन्द्र अवस्थी जी। भावना के अन्य सदस्यों में सर्वश्री सुभाष चन्द्र विद्यार्थी, श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह, श्री पुरुषोत्तम केसवानी, श्री ए.पी. सिंह, श्री राजदेव स्वर्णकार, व अमरनाथ के अतिरिक्त स्थानीय नागरिकों ने भी सहभागिता की। श्री पाल प्रवीण जी द्वारा पृथ्वी माता की वंदना करते हुए पर्यावरण संरक्षण पर विस्तृत प्रकाश डाला। श्री जगत बिहारी अग्रवाल जी ने वृक्षारोपण की महत्ता बताते हुए, अधिकाधिक मात्रा में वृक्ष रोपने का आह्वान किया। श्री अमरनाथ ने अपने घरों के सामने लगे वृक्षों को न काटने तथा घरों के आगे बनी नालियों को साफ रखने तथा बरसाती पानी को सड़क पर न रूकने देने की अपील की। भावना के महासचिव (कार्यान्वयन) श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह जी ने आबादी घनत्व बढ़ना भी प्रदूषण बढ़ने का एक कारण बताते हुए स्थान के अनुसार वृक्ष लगाने की आवश्यकता पर बल दिया। जगह-जगह पर बाटी-चोखा बेचने वालों द्वारा कण्डों की आंच से निकले धुएँ को भी प्रदूषण का एक कारण बताया। उन्होंने एक कविता के माध्यम से वृक्षों की महिमा का गायन भी किया।

छत से ज्यादा जरूरी है तरुवर की छांव, वृक्ष कटने न दो, वन उजड़ने न दो।

मुख्य अतिथि माननीय महापौर जी द्वारा पर्यावरण के प्रति जनमानस को जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के समापन से पूर्व इस आयोजन में उपस्थित इं. उमा प्रसाद पाण्डेय जी द्वारा पर्यावरण जागरूकता प्रश्नोत्तरी, वहाँ उपस्थित सभी सदस्यों को वितरित की गई और पर्यावरण के प्रति उनके सामान्य ज्ञान का परीक्षण किया गया। प्रथम तीन सर्वाधिक अंक पाने वालों को पुरस्कृत भी किया गया। ये तीन विजेता रहे-सर्वश्री योगेन्द्र प्रताप सिंह, श्री पुरुषोत्तम केसवानी तथा श्री द्वारिका प्रसाद जी (स्थानीय नागरिक) (पर्यावरण जागरूक प्रश्नोत्तरी देखें पृष्ठ - 22)
सभा समापन पर महापौर जी द्वारा सन्ध्या पार्क में चांदनी का एक पौधा भी रोपा गया। इस आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था और जलपान आदि श्री सुभाष चन्द्र विद्यार्थी जी द्वारा किया गया। आयोजन का संचालन श्री प्रवीण पाल जी ने किया।

22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस पर एक अपील

मातृ भू-वन्दना : - मैं अपने बचपन से ही एक मुख्य वेदमंत्र को पढ़ता आया हूं और उसके अर्थ पर मनन चिंतन करता रहता हूं। ऋग्वेद में धरती माता से आत्मीयता स्थापित करने की प्रेरणा दी गई है -

'उप सर्प मातरं भूमिम' जिसका भावार्थ है 'हे मनुष्यों मातृभूमि की सेवा करो-अपने राष्ट्र से प्रेम करो. ... इसी क्रम में अथर्ववेद में 'पृथ्वी सूक्त' में कहा गया है 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' अर्थात् पृथ्वी हमारी माता है, हम उसके पुत्र हैं। हम सभी जानते हैं कि आदि कवि बाल्मीकि ने गाया 'जजनी जन्म भूमिश्च स्वर्गादअपि गरीयसी' अधिकतर कवियों ने इस स्वर में अपना स्वर मिलाकर पृथ्वी माता की स्तुति की है। यही वैदिक सूत्र भारत के सांस्कृतिक जागरण की बेला में 'वन्दे मातरम' की रचना हुई जिसमें मातृभू की वन्दना हम करते हैं। सुजला सुफला, चन्दन की समान शीतल, हरी भरी मातृभूमि को प्रणाम। उजली चांदनी और आह्लादकारिणी रातों वाली, फूलों से लदे पेड़ों से सुशोभित, सुहासिनी मधुर भाषाओं वाली सुखदा, वरदा माता को प्रणाम।

बंगाल के ऋषि कल्प बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय के विख्यात उपन्यास 'आनन्दमठ' में 'वन्देमातरम' गीत के रूप में वंगाब्द 1286 में प्रकाशित होने पर स्वातन्त्र्य-संघर्ष में यही गीत असंख्य क्रान्तिकारियों-शहीदों का प्रेरणास्रोत बन गया-और आज हम भारतवासी-नागरिक उन अमिट शहीदों के बलिदानों को भूलते जा रहे हैं, पृथ्वी माता को पहाड़ों वृक्षों को नदियों को उजाड़ने में गंदा-करने में लगे हुए हैं। यह कैसा विकास हो रहा है। विकास के नाम पर केवल दिखावा, लूट खसोट व प्राकृतिक सम्पदाओं के खनन में लगे हुए हैं, माफिया पनपे हैं गत् 40 वर्षों में।

पाल प्रवीण

नाम प्रतियोगी .....
मो. नं. .....

कुल प्रश्न संख्या-15
कुल समय-10 मिनट

पर्यावरण जागरूकता प्रश्नोत्तरी

दिनांक : 5 जून, 2017

आयोजक : भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना)

(1) हाल ही में 'पेरिस जलवायु समझौता' से अपने को अलग करने वाला देश है?
(अ) जर्मनी (ब) चीन (स) रूस (द) अमेरिका

(2) 24 घन्टे ऑक्सीजन प्रदान करने वाला वृक्ष है?
(अ) नीम (ब) आँवला (स) पीपल (द) बरगद

(3) विश्व पर्यावरण दिवस हेतु संयुक्त राष्ट्र द्वारा पूरे विश्व में इस वर्ष का मुख्य विचार बिन्दु कौन सा निर्धारित किया गया है?
(अ) जियो और जीने दो (ब) कनेक्ट पीपल्स विद नेचर (स) टोटल सैनिटेशन मिशन (द) वन अर्थ, वन नेचर

(4) निम्न में से कौन सा रोग वायु प्रदूषण जनित है?
(अ) अस्थमा (ब) टी.बी. (स) हैजा (द) कैंसर

(5) आपके हिसाब से पर्यावरण संरक्षण का निम्न में से कौन सा उपाय सर्वथा उचित है?
(अ) वर्षा जल संरक्षण (ब) वृक्षारोपण (स) जैव ईंधन अपनाकर (द) इनमें से सभी

(6) निम्न में से कौन सी गैस 'प्राणवायु' कहलाती है?
(अ) ऑक्सीजन (ब) हीलियम (स) नाइट्रोजन (द) कार्बन डाई ऑक्साइड

(7) विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवर्ष कब मनाया जाता है?
(अ) 17 जून (ब) 5 जून (स) 21 जून (द) 4 जुलाई

(8) घरेलू सॉलिड वेस्ट निस्तारण में निम्न में से कौन सी विधि सहायक हो सकती है?
(अ) वेस्ट सैग्रीगेशन (ब) वेस्ट जलाना (स) वेस्ट फेकना (द) कोई नहीं

(9) रसोई सॉलिड वेस्ट निपटारण हेतु सर्वोत्तम पर्यावरण अनुकूल विधि हो सकती है।
(अ) जैविक खाद बनाना (ब) सार्वजनिक कूड़े घर में फेंकना
(स) महापालिका कर्मी को देना (द) कोई उपयुक्त नहीं

(10) निम्न में से कौन सा पर्यावरणविद् प्रसिद्ध 'चिपको आन्दोलन' का प्रणेता कहा जाता है?
(अ) मेधा पाटेकर (ब) हेमवती नन्दन बहुगुणा (स) सुन्दरलाल बहुगुणा (द) हरगोविन्द खुराना

(11) गाँधी जी के निम्न चार प्रेरणा सूत्रों में से कौन सा प्रकृति संरक्षण को इंगित करता है?
(अ) सत्य (ब) आस्तेय (स) अपरिग्रह (द) ब्रह्मचर्य

(12) पॉलीथीन बैग के विकल्प कौन-कौन से हो सकते हैं?
(अ) जूट बैग (ब) हस्त निर्मित पेपर बैग (स) पुराने कपड़ों के बैग (द) तीनों

(13) दूषित जल से होने वाला निम्न में कौन सा रोग है?
(अ) पीलिया (ब) कालरा (स) पेचिस (द) सभी

(14) ग्लोबल वॉर्मिंग को कम करने हेतु कौन सा उपाय कारगर हो सकता है?
(अ) सूती वस्त्र पहनना (ब) ठण्डे पानी से नहाना
(स) फ्रिज एवं ए.सी. का न्यूनतम उपयोग (द) कोई उपयुक्त नहीं

(15) निम्न उक्तियों को पर्यावरणीय प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर पूरा करें।
(अ) वृक्ष धरा का भूषण, ...।
(ब) धरती माता कहे पुकार, ...।
(स) हम सुन्दर धरा बनायेंगे, ...।
(द) पौधे-बच्चे एक समान, ...।

पर्यावरण कैसे सुधरे

महात्मा गांधी के सपनों का स्वच्छ भारत बनाने के लिए जरूरी है इको फ्रेंडली लाइफस्टाइल को अपनाना। यह सुखद है कि धीरे-धीरे ही सही देश में आ रही है परिवर्तन की लहर, लोग जान रहे हैं कि पॉलीथीन की जगह कपड़ों के थैले हैं पर्यावरण के लिए बेहतर है। पुराने समय में महिलाएं घर के पुराने कपड़ों को काट-छांटकर थैले तैयार करती थीं, जिन्हें राशन व अन्य सामान लाने में उपयोग किया जाता था। उस वक्त पॉलीथीन बैग का चलन नहीं था, कपड़े और कागज के थैलों से ही लोगों का काम चलता था। आज पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों पर पॉलीथीन व प्लास्टिक का प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। हाल ही में हाईकोर्ट और उ.प्र. सरकार की ओर से पॉलीथीन पर प्रतिबंध के आदेश दिए गए। देश के कुछ बड़े शहरो-राज्यों में पॉलीथीन पर पहले ही प्रतिबंध है। कई पहाड़ी राज्यों में यह काफी समय पूर्व ही लागू हो चुका है। सिक्किम में इस पर पिछले 15 वर्षों से प्रतिबंध है। इसके हानिकारक परिणामों को लेकर जागरूकता बढ़ रही है और लोग सहयोग भी कर रहे हैं। सरकारी व स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ ही महिलाएं भी इस मुहिम में अच्छी भूमिका निभा रही है।

पुराने कपड़ों के बैग – उत्तर प्रदेश महिला समाख्या संस्था की सदस्य प्रीती श्रीवास्तव कहती हैं, 'मैं कई सालों से घर के पुराने कपड़ों के थैले व डिजाइनर बैग बना रही हूँ। प्लास्टिक व पॉलीथीन बैग तो मैं बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं करती हूँ। संस्था के अन्य सदस्यों को भी पुराने कपड़ों से बने बैग व थैले बनाना सिखाती हूँ।' निवेदन है कि उक्त संस्थान ऐसी ही अन्य संस्थाओं से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

बंदी कर रहीं सहयोग – नारी बंदी निकेतन, आदर्श कारागार लखनऊ में महिला बंदियों को सिलाई का प्रशिक्षण दे रही प्रशिक्षिका शैलजा सचान कहती हैं, 'लोगों में जागरूकता बढ़ रही है और लोग पॉलीथीन बैग के बजाए कपड़े के थैले इस्तेमाल करने लगे हैं। कुछ समय से मार्केट में भी इनकी माँग बढ़ी है। कारागार में सजा काट रही महिला बंदी भी इस मुहिम में सहयोग कर रही हैं। मार्केट से आ रही मांग के अनुसार महिला कैदी बैग व थैले बनाती हैं, जो मार्केट सहित विभिन्न प्रदर्शनियों में भी बेचे जाते हैं। हम सभी इसी प्रकार समाज को प्रदूषण से बचाने के प्रयत्न कर रहे हैं।

बढ़ रहा कारवां – वर्ष 2009 में जूट बैग बनाने का बिजनेस शुरू करने वाली अंजलि सिंह कहती हैं, 'चार-पांच महिलाओं को लेकर शुरू किए गए इस बिजनेस में आज करीब 150 महिलाएं हाथ बंटा रही हैं।' अंजलि मूल रूप से सरकारी कांफ्रेंस और सेमिनार के लिए बैग व फोल्डर बनाने का काम कर रही हैं। वे पैकेजिंग का काम भी करती हैं जिसमें हर महीने चार-पांच हजार जूट के बैग का आर्डर मिलता है। वह बताती है कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महीने की फ्री ट्रेनिंग के साथ पांच सौ रुपए भी देती हैं। लखनऊ में उनके इंदिरा नगर, फरीदीनगर और मोहम्मदपुर गाँव में सेंटर चल रहे हैं जहाँ कोई भी जरूरतमंद महिला प्रशिक्षण ले सकती है और पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग कर सकती है। 'मैं दस सालों से कपड़ों के डिजाइनर बैग व थैले बना रही हूँ। अब कपड़ों के थैले और बैग की काफी माँग बढ़ गई है।' नीलम बंसल का कहना है, 'जरूरतमंद महिलाओं को मैं निःशुल्क प्रशिक्षण भी देती हूँ ताकि वह भी इसे अपना व्यवसाय बना सकें।' आज हम सभी बुद्धिजीवियों और 'भावना' से जुड़े सदस्यों को इस दिशा में कार्य करना चाहिए।

थैले हैं अच्छा विकल्प – जालंधर की जसविंदर मल्ही का कहना है, 'पहले प्लास्टिक का प्रयोग नहीं होता था और हम कपड़े के खूबसूरत थैले बनाते या बनवाते थे। अक्सर इन्हें सुंदर कढ़ाई करके, किनारे पर झालर या गोटा-पट्टी लगाकर आकर्षक बनाया जाता था। इन्हें पकड़ने के लिए कपड़े, लकड़ी या स्टील के कड़ेनुमा हैंडल लगाए जाते थे। आज भी मैं सब्जी आदि लाने के लिए कपड़े के थैले का उपयोग करती हूँ। इन्हें पुराने सूट या जींस आदि से भी तैयार हो जाता है। आज बच्चे भी जानते हैं कि पॉलीथीन हमारी धरती के लिए अभिशाप है। स्कूल, कॉलेजों में अक्सर इस पर भाषण व पोस्टर मेकिंग कम्पटीशन होते हैं लेकिन मुझे लगता है कि उससे कुछ नहीं होगा जब तक कि गृहणियाँ खुद इस ओर प्रयास न करें। यदि वे पॉलीथीन में सामान लेने से इंकार करना सीख जाएंगी और अपने बच्चों को भी समझाएंगी तो स्थिति में सुधार संभव है।' हमें प्रयत्न तो इस दिशा में करना ही चाहिए। आस-पास के लोगों में जागरूकता उत्पन्न करना आवश्यक है।

प्रकृति को संभाला – जम्मू-कश्मीर अपने प्राकृतिक सौंदर्य और संपदा के लिए देश भर में विख्यात है। लगभग दो दशक पहले इस सौंदर्य पर पॉलीथीन के प्रदूषण का साया मंडराने लगा था। इस खतरे को भांपते हुए जम्मू-कश्मीर वुमेन

डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने गाँव-कस्बे की कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को लेकर कुछ सेंटर स्थापित किए। इन सेंटरों में महिलाओं को जूट और कपड़े के बैग बनाने, उन पर पेंटिंग करने, कशीदाकारी करने का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रोजेक्ट के शुरूआती दौर में शामिल रहीं। सुगना शर्मा बताती हैं, 'हमने जम्मू संभाग के हर जिले में इस तरह की यूनिट स्थापित की। सबसे पहली यूनिट 2009-10 में आरएस पुरा में स्थापित की गई। प्रत्येक यूनिट में 20 लड़कियों को शामिल किया गया। पहले इन्हें हमने प्रशिक्षण दिया। जब यह सीख गईं तो हमने इन्हें स्वावलंबन के वे सभी रास्ते बताए जहाँ पर यह खुद इस तरह के बैग बनाकर बाजार में बेच सकती है। अभी तक माता वैष्णों देवी के प्रसाद के लिए कोलकाता से जूट बैग आ रहे थे। हमने श्राईन बोर्ड से बात कर लगभग उतनी ही कीमत में स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार बैग उपलब्ध करवाए। धीरे-धीरे वे इतनी प्रशिक्षित हो गईं कि वे ओपन मार्केट के लिए भी कपड़े और जूट के थैले बनाकर देने लगीं। सबसे पहले सांबा में महिलाओं ने ऋण लेकर ओपन मार्केट में सप्लाई करने के लिए फैंसी बैग बनाने शुरू किए। अब अलग-अलग गांवों में पांच, दस महिलाएं इकट्ठी होकर इस तरह के प्रयास कर रही हैं। इससे प्रदूषण तो रूका ही, कम पढ़ी-लिखी महिलाओं के लिए स्वावलंबन का भी एक रास्ता मिल गया।

कुसुम भारती — प्रस्तुति : पाल प्रवीण

इनपुट : जालंधर से वंदना वालिया — संयोजक : पर्यावरण प्रकोष्ठ भावना, लखनऊ

लखनऊ की विभिन्न कालोनियों-पार्कों में पर्यावरण गोष्ठियां व सम्मान-अभिनन्दन समारोह

1. प्रभात प्रशान्त वालंटियर ब्यूरो व अलीगंज वैदिक सत्संग के तत्वावधान में अलीगंज की एम.एस. कालोनी, सेक्टर-डी में 29 मई 2017 की सन्धया पर पर्यावरण गोष्ठी श्री पाल प्रवीण (संयोजक) ने आयोजित की सभी के सहयोग से। पृष्ठभूमि व अभी तक किए गए प्रयासों , क्रियाकलापों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की - उन पर्यावरण गोष्ठियों का उल्लेख किया जो आर्य समाज तात्या टोपे नगर भोपाल के तत्वावधान में 2005 में मेरठ-मवाना व हस्तिनापुर तथा लखनऊ पद्मश्री डॉ. एस.सी. राय व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक ने वृक्षारोपण, वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ किए थे। 29.05. 2017 की गोष्ठी में वर्तमान कार्यवाहक महापौर लखनऊ श्री सुरेश चन्द्र अवस्थी व कालोनी में निवास कर रहे वयोवृद्ध श्री सी.वी. कपूर को सम्मानित भी किया गया। कु. देविका, पौत्री (श्रीमती कमलेश पाल व पाल प्रवीण) ने, गीतांजलि चारु, डॉ. एन.सी. शर्मा ने अपने विचार व सुझाव प्रस्तुत किये। महापौर लखनऊ ने अपने उद्बोधन में बहुत ही उत्तम शैली में आयोजकों का व कालोनी के निवासियों का आभार व्यक्त किया व आश्वासन दिया कि अपने आस-पास की कोई भी समस्या हो तो हम अपने विचार व सुझाव प्रस्तुत किये। महापौर लखनऊ ने अपने उद्बोधन में बहुत ही उत्तम शैली में आयोजकों का व कालोनी के निवासियों का आभार व्यक्त किया व आश्वासन दिया कि अपने आस-पास की कोई भी समस्या हो तो हम अपने स्तर से उसको हल करेंगे।

2. दिनांक 11 जून 2017 की सन्ध्या में गोमती नगर लखनऊ के विपुल खण्ड-2 में प्रसिद्ध 'समन्वय पार्क' में एक वृहद पर्यावरण गोष्ठी व जागरूकता अभियान में तीव्रता लाने हेतु न्यायमूर्ति करण लाल शर्मा जी के अनुरोध पर आयोजित हुई। पाल प्रवीण मुख्य संरक्षक प्रभात-प्रशान्त वालंटियर ब्यूरो, भावना (भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति व क्लीन एण्ड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में गोष्ठी व सम्मान समारोह महापौर लखनऊ श्री सुरेश चन्द्र अवस्थी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। श्री पाल प्रवीण ने अथर्ववेद मंत्र 48 को पढ़ा व उसका अर्थ भी सभी को समझाया। उक्त वेदोपदेश को ध्यान में धारते हुए हम सभी को धरती माता के पर्यावरण में सुधार करने पर बल दिया है। गोष्ठी में एक नई (20 प्रश्नों की क्विज तैयार की गई) को सभी को उपलब्ध कराई गई और घोषणा की गई कि जिन 5 प्रतिभागियों के उत्तर सही माने जाएंगे एक वरिष्ठ व योग्य परीक्षक द्वारा उन्हें पाल प्रवीण पुरस्कृत करेंगे। कु. मानसी शर्मा ने पर्यावरण से सम्बन्धित कुछ ठोस रचनात्मक बिन्दुओं को पढ़ा जिसकी सराहना करतल ध्वनि से सभी ने की। प्रख्यात कवि साहित्यकार व समाज सेवी श्री देवकी नन्दन शान्त जी (भावना) ने गीत गाकर पर्यावरण को सुधारने पर बल दिया। महापौर लखनऊ ने न्यायमूर्ति श्री करण लाल शर्मा को हार्दिक धन्यवाद दिया 'समन्वय पार्क' को प्रातः, शाम व अन्य अवसरों पर अपना समय देने के लिए डॉ. एस.सी. शर्मा सेक्रेटरी जनरल सी.जी.इ.एस. ने अपनी संस्था के मुख्य उद्देश्यों को समझाया। धन्यवाद ज्ञापन श्री करण लाल शर्मा ने पारित किया।

सूत्रधार : पाल प्रवीण, योगाश्रम, अलीगंज, लखनऊ

आहार-विहार के प्रभावी सूत्र

मानव का अच्छा/बुरा चिन्तन, चरित्र एवं व्यवहार-उसके तन/मन की स्वस्थता/अस्वस्थता पर निर्भर है। मन में आये धनात्मक/ऋणात्मक विचार, शरीर के अंगों द्वारा संचालित होते हैं। इसके विपरीत तन की अस्वस्थता, मन में निराशाजनक विचारों को जन्म देती है। इस प्रकार शरीर की जीवन्तता में तन और मन एक दूसरे के पूरक हैं।

हमें ज्ञात हो या न हो, प्रकृति के पांच तत्वों से निर्मित मानव शरीर में -पृथ्वी तत्व (हड्डी/मांस में) की पूर्त्ती अन्न और दलहन, जल तत्व (रूधिर में) की पानी एवं पानीदार सब्जियों, अग्नि तत्व (पाचन तंत्र की क्रियाशीलता में) की सूर्य से पके फलों, वायु तत्व (फेफडों एवं हृदय संचालन में) की हवा व पत्तीदार शाक-भाजी तथा अतिमहत्वपूर्ण आकाश तत्व (आमाशय में खाली स्थान) की उपवास से होती है। इस आकाश तत्व की क्रियाएं शरीर से जहरों की निकासी तथा आयु बढ़ाने में होती है।

शरीर के निर्माण, विकास एवं रख-रखाव हेतु भोजन के रूप में उक्त खाद्य पदार्थ आवश्यक है। वर्तमान में रसायनिक खादों एवं कीटनाशक जहरों की सहायता से उत्पादित खाद्य पदार्थों तथा व्यवसायियों द्वारा खाद्यों में की गयी मिलावटों को;

- आहार-विहार में अनियमितताओं के साथ ग्रहण करने से,
- स्थानीय परिस्थिति अनुरूप प्रदूषित जल एवं वायु के सेवन से,
- सामयिक उपवासों की तकनीकी जानकारी न होने से, तथा
- श्रम एवं विश्राम की आवश्यकता की अज्ञानता में, शरीर में गये तत्वों में से कुछ या सभी तत्व असन्तुलित होते हैं।

तात्पर्य यह है कि शरीर में भोजन में लिये गये खाद्यों का-पाचनतंत्र की क्रियाओं से रस, रूधिर, इत्यादि दूषित एवं प्रभावित होते हैं। यदि उपरोक्त वर्णित कारणों पर नियंत्रण आरम्भ कर दिया जाये तो शरीर की स्वचालित क्रियाएं ऐसे दूषित प्रभावों को निष्क्रिय करने में स्वयं सक्षम है। ऐसा न करने पर, प्रभावों के रोकने के बाहरी प्रयास को रोगोपचार कहा जाता है। रोगों के नाम साध्य/असाध्य दिये जाते हैं।

आज समाज में तरह-तरह के साध्य/असाध्य रोगों की बाढ़ आ गयी है। भारी भरकम उपकरणों से सुसज्जित विभिन्न मेडिकल व्यवस्थाएं व्यवसायिक होने से रोगोपचार में रोगों के उक्त मूल कारणों के जाने बिना, साध्य रोगों को नियंत्रित करने हेतु आजीवन दवायें लेने की सलाह देती है। असाध्य रोगों का अन्त, रोगोपचार में अत्यधिक व्यय एवं पीड़ाओं के साथ अकाल मृत्यु करा देती है। फलस्वरूप अधिकांश जन-जीवन तन/मन से रोगी है। मन की अस्वस्थता से व्यभिचार, अनाचार एवं भ्रष्टाचार आदि के विभिन्न स्वरूप निकृष्ट स्तर पर पहुँच चुके हैं।

आचार्य श्रीराम शर्मा के स्वास्थ्य सम्बन्धी साहित्य, प्राकृतिक चिकित्सा एवं शरीर विज्ञान क्षेत्र की पुस्तकों के सहयोग से **"जीवन जीने की कला"** तथा बिना दवाओं के तन-मन को स्वस्थ रखने के सूत्रों को, पत्रकों/फोल्डर्स द्वारा निःस्वार्थ भाव से वितरित किया जा रहा है। एक्युप्रेशर रोगोपचार में निःशुल्क काउन्सलिंग द्वारा, सूत्रों की महत्ता बताते हुए रोगियों से उनका पालन कराया/करा रहा है। आश्चर्यजनक परिणाम सामने आये/आ रहे हैं।

हम निश्चिंतता से कह सकते हैं कि आहार (खान-पान)-विहार (रहन-सहन) की भूलें शरीर में तथा दूषित आचार-विचार मन में प्रतिक्रियाएं कर तन/मन में विभिन्न रोग उत्पन्न करते हैं। अज्ञानता में सभी उम्र के मानव-प्राणी इन भूलों को अधिकांशतः कम या अधिक कर रहे हैं। निष्णात उपचारकों ने भूलों को अनियमितताएं कहा और इनके सम्भावित दुष्परिणामों के बचाव में, हम पुनः संकलित सूत्रों का अंकन करने जा रहे हैं, जिनका पालन/अभ्यास, तन-मन को स्वस्थता प्रदान करने में सहायक होगा तथा प्रेरणा देगा :

- बिना दवाओं के निरोगी जीवन जीने की।
- युवावस्था में ब्रह्मचर्य के गुणों की।
- परीक्षाओं में अधिकतम अंक लाने की।
- युवाओं को स्वरोजगार सृजन करने की।

उक्त सूत्रों के पालन करने पर ही **"परीक्षा में अधिकतम अंक कैसे पायें"** के सूत्र/अभ्यास भी पुस्तक में जोडे गये हैं। "स्वरोजगार सृजन" किस प्रकार हो सकते हैं, के संक्षिप्त में दिशा-निर्देश भी दिये गये हैं।

अन्त में कहना चाहेंगे कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के स्लोगन **"हम सुधरेंगे-युग सुधरेगा"** की सार्थकता तन-मन की स्वस्थता से है। पुस्तक में दिये गये सूत्रों का पालन स्वयं से आरम्भ करें। लाभान्वित होने पर अनान्यों को प्रेरणा दें।

डॉ. नरेन्द्र देव

सामंजस्य तथा शांति के लिये योग
(YOGA FOR HARMONY AND PEACE)

ॐ संगच्छध्वं संवदध्वं, सं वो मनांसीजानताम्।
देवा भागं यथा पूरवे, सञ्जानाना उपासते।।

- डॉ. अवनीश अग्रवाल

सामान्य यांग अभ्यासक्रम के संदेश में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है कि 'योग शरीर मन और बुद्धि को जोड़ता है। आज योग मानवता को भी जोड़ रहा है और इस 21वीं शताब्दी में योग ने पूरे विश्व को जोड़ दिया है।'

विश्व का प्रत्येक प्राणी स्वस्थ व उन्मुक्त जीवन यापन की कामना करता है। वह चाहता है उसका जीवन बीमारी व पीड़ा से मुक्त हो। अच्छे स्वास्थ्य का अर्थ बीमारी से मुक्ति मात्र नहीं है बल्कि सुखी जीवन यापन से है। योग को जीवन में धारण करने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है बल्कि सुखी जीवन प्राप्ति का मार्ग भी योग ही है। योग हमें सिखाता है कि कैसे संतुलित जीवन जिया जा सकता है। योग द्वारा स्वस्थ शरीर, संतुलित मन, श्रेष्ठ विचारों का समन्वय हमें हमारी आत्मा से जोड़ता है। आधुनिक समय में व्यस्ततम जीवन-यापन शैली, अव्यवस्थित कार्य शैली विभिन्न भूमिकाओं में दायित्वों का निर्वहन तनाव उत्पन्न करता है। हमें सकारात्मक ऊर्जा की आवश्यकता है, जो तनाव को दूर कर-हमें अपने कार्य को पूरा करने की शक्ति प्रदान करे - यह सब योग के नित्य अभ्यास से सम्भव है।

योग- योग आध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यन्त सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। यह स्वस्थ जीवन जीने की कला व विज्ञान है। योग में जीवन के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव की क्षमता है। योगाभ्यास से मन और शरीर में समन्वय, भावनात्मक संतुलन और बौद्धिक स्पष्टता को बढ़ावा मिलता है। संस्कृत वांड्मय में योग शब्द युज् धातु में घञ् प्रत्यय लगने से निष्पन्न हुआ है। प्राणिनीय व्याकरण के अनुसार यह तीन अर्थों के प्रयुक्त होता है।

1. युज समाधौ - समाधि, 2. युजिर योग - जोड़, 3. युज संयमने - सामंजस्य

यौगिक ग्रन्थों के अनुसार, योगाभ्यास व्यक्तिगत चेतनता को सार्वभौमिक चेतनता के साथ एकाकार कर देता है। आधुनिक वैज्ञानिकों के अनुसार ब्रह्माण्ड में जो कुछ भी है वह परमाणु का प्रकटीकरण मात्र है। जिसने योग में इस अस्तित्व के एकत्व का अनुभव कर लिया है, उसे योगी कहा जाता है। योगी पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त कर मुक्तावस्था को प्राप्त करता है। इसे ही मुक्ति, निर्वाण, कैवल्य या मोक्ष कहा जाता है।

योग का प्रयोग आन्तरिक विज्ञान के रूप में भी किया जाता है जो विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं का सम्मिलन है जिसके माध्यम से मनुष्य शरीर एवं मन के बीच सामंजस्य स्थापित कर आत्म साक्षात्कार करता है। योगाभ्यास (साधना) का उद्देश्य सभी त्रिविध प्रकार के दुःखों से आत्यांतिक निवृत्ति प्राप्त करना है। जिससे प्रत्येक व्यक्ति जीवन में पूर्ण स्वतंत्रता तथा स्वास्थ्य, प्रसन्नता एवं सामंजस्य का अनुभव कर सके।

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

पर्यावरण समय की पुकार है

(यह तो भारत की आत्मा की आह भरी चीत्कार है)

हमारा कर्तव्य है अपने आस-पास के स्थान को स्वच्छ रखें। पृथ्वी हमारी माता है हम पृथ्वी के पुत्र/पुत्री हैं। अपनी पृथ्वी माता को स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने का सभी को संकल्प लेना चाहिए। वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पेड़-पौधे फूल लगाते रहिए।

- पाल प्रवीण

जानिये थाईलैण्ड को -

जहाँ आज भी राम के वंशजों का राज्य है

कर्नल आर.एन. कालरा

भारत के बाहर थाईलैंड में आज भी संवैधानिक रूप में राम राज्य है। वहां भगवान राम के छोटे पुत्र कुश के वंशज सम्राट 'भूमिबल अतुल्य तेज' राज्य कर रहे हैं, जिन्हें नौंवा राम कहा जाता है।

भगवान राम का संक्षिप्त इतिहास - वाल्मीकि रामायण एक धार्मिक ग्रन्थ होने के साथ एक ऐतिहासिक ग्रन्थ भी है, क्योंकि महर्षि वाल्मीकि राम के समकालीन थे, रामायण के बालकाण्ड के सर्ग 70, 71 और 73 में राम और उनके तीनों भाइयों के विवाह का वर्णन है, जिसका सारांश है कि मिथिला के राजा सीरध्वज थे, जिन्हें लोग विदेह भी कहते थे उनकी पत्नी का नाम सुनेत्रा (सुनयना) था, जिनकी पुत्री सीता जी थी, जिनका विवाह राम से हुआ था। राजा जनक के कुशध्वज नाम के भाई थे। इनकी राजधानी सांकाश्य नगर थी जो इक्षुमती नदी के किनारे थी। इन्होंने अपनी बेटी उर्मिला लक्ष्मण से, मांडवी भरत से, और श्रुतिकीर्ति का विवाह शत्रुध्न से करा दिया था।

केशव दास रचित 'रामचन्द्रिका' पृष्ठ-354 (प्रकाशन संवत 1715) के अनुसार राम और सीता के पुत्र लव और कुश, लक्ष्मण और उर्मिला के पुत्र अंगद और चन्द्रकेतु, भरत और मांडवी के पुत्र पुष्कर और तक्ष, शत्रुध्न और श्रुतिकीर्ति के पुत्र सुबाहु और शत्रुघात हुए थे।

भगवान राम के समय ही राज्यों बंटवारा इस प्रकार हुआ था - पश्चिम में लव को लवपुर (लाहौर) पूर्व में कुश को कुशावती, तक्ष को तक्षशिला, अंगद को अंगद नगर, चन्द्रकेतु को चंद्रावती। कुश ने अपना राज्य पूर्व कीतरफ फैलाया और एक नाग वंशी कन्या से विवाह किया था। थाईलैंड के राजा उसी कुश के वंशज हैं। इस वंश को 'चक्री वंश' कहा जाता है। चूंकि राम को विष्णु का अवतार माना जाता है, और विष्णु का आयुध चक्र है इसीलिए थाईलैंड के लोग चक्री वंश के हर राजा को 'राम' की उपाधि देकर नाम के साथ संख्या दे देते हैं। जैसे अभी राम (9) राजा हैं जिनका नाम 'भूमिबल अतुल्य तेज' है।

थाईलैंड की अयोध्या - थाईलैंड की राजधानी को अंग्रेजी में बैंगकॉक कहते हैं, क्योंकि इसका सरकारी नाम इतना बड़ा है, की इसे विश्व का सबसे बड़ा नाम माना जाता है, इसका नाम संस्कृत शब्दों से मिलकर बना है, देवनागरी लिपि में पूरा नाम इस प्रकार है -

क्रुंग देव महानगर अमर रत्न कोसिन्द्र महिन्द्रायुध्या महातिलक भव नवरत्न राजधानी पुरी रम्य उत्तम राज निवेशन महास्थान अमर विमान अवतार स्थित शक्रदत्तिय विष्णु कर्म प्रसिद्धि

थाई भाषा में इस पूरे नाम में कुल 163 अक्षरों का प्रयोग किया गया है। इस नाम की एक और विशेषता है। इसे बोला नहीं बल्कि गा कर कहा जाता है। कुछ लोग आसानी के लिए इसे 'महेन्द्र अयोध्या' भी कहते हैं। अर्थात् इंद्र द्वारा निर्मित महान अयोध्या। थाई लैंड के जितने भी राम (राजा) हुए हैं सभी इसी अयोध्या में रहते आये हैं।

असली राम राज्य थाईलैंड में है - बौद्ध होने के बावजूद थाईलैंड के लोग अपने राजा को राम का वंशज होने से विष्णु का अवतार मानते हैं, इसलिए थाईलैंड में एक तरह से राम राज्य है। वहां के राजा को भगवान श्रीराम का वंशज माना जाता है, थाईलैंड में संवैधानिक लोकतंत्र की स्थापना 1932 में हुई। भगवान राम के वंशजों की यह स्थिति है कि उन्हें निजी अथवा सार्वजनिक तौर पर कभी भी विवाद या आलोचना के घेरे में नहीं लाया जा सकता है। वे पूजनीय हैं। थाई शाही परिवार के सदस्यों के सम्मुख थाई जनता उनके सम्मानार्थ सीधे खड़ी नहीं हो सकती है बल्कि उन्हें झुक कर खड़े होना पड़ता है-उनकी तीन पुत्रियों में से एक हिन्दू धर्म की मर्मज्ञ मानी जाती है।

थाईलैंड का राष्ट्रीय ग्रन्थ रामायण है - यद्यपि थाईलैंड में थेरावाद बौद्ध के लोग बहुसंख्यक हैं, फिर भी वहां का राष्ट्रीय ग्रन्थ रामायण है जिसे थाई भाषा में **'राम-कियेन'** कहते हैं। जिसका अर्थ राम-कीर्ति होता है, जो वाल्मीकि रामायण पर आधारित है। इस ग्रन्थ की मूलप्रति सन् 1767 में नष्ट हो गयी थी, जिससे चक्री राजा प्रथम राम (1736-1809) ने अपनी स्मरण शक्ति से फिर से लिख लिया था। थाईलैंड में रामायण को राष्ट्रीय ग्रन्थ घोषित करना इसलिए संभव हुआ,

क्योंकि वहां भारत की तरह दोगले हिन्दू नहीं हैं, जो नाम के हिन्दू हैं, हिन्दुओं के दुश्मन यही लोग हैं।

थाईलैंड में राम कियेन पर आधारित नाटक और कठपुतलियों का प्रदर्शन देखना धार्मिक कार्य माना जाता है। राम कियेन के मुख्य पात्रों के नाम इस प्रकार हैं :-

राम (राम), 2 लक (लक्ष्मण), 3 पाली (बाली), 4 सुक्रीप (सुग्रीव), 5 ओन्कोट (अंगद), 6 खोम्पून (जाम्बवन्त), 7 बिपेक (विभीषण) 8 तोतस कन (दशकण्ठ) रावण, 9 सदायु (जटायु) 10 सुपन मच्छा (शूर्पनखा) 11 मारित (मारीच), 12 इन्द्रचित (इन्द्रजीत) मेघनाद 13 फ्र पाई (वायुदेव) इत्यादि। थाई **राम कियेन** में हनुमान कि पुत्री और विभीषण की पत्नी का नाम भी है, जो यहाँ के लोग नहीं जानते।

थाईलैंड में हिन्दू देवी देवता – थाईलैंड में बौद्ध बहुसंख्यक और हिन्दू अल्पसंख्यक। वहां कभी सम्प्रदायवादी दंगे नहीं हुए। थाईलैंड में बौद्ध भी जिन हिन्दू देवताओं की पूजा करते हैं, उनके नाम इस प्रकार हैं -

1. ईसुअन (ईश्वन), ईश्वर शिव, 2 नाराड़ (नारायण) विष्णु, 3 फ्रॉम (ब्रह्म) ब्रह्मा, 4. इन (इंद्र) 5. आथित (आदित्य) सूर्य 6.पाय (पवन) वायु।

थाईलैंड का राष्ट्रीय चिह्न गरूड़ – गरूड़ एक बड़े आकार का पक्षी है, जो लगभग लुप्त हो गया है। अंगरेजी में इसे ब्राह्मणी पक्षी (The brahminy kite) कहा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम Haliastur indus है। फ्रैंच पक्षी विशेषज्ञ मथुरिन जैक्स ब्रिसन ने इसे सन् 1760 में पहली बार देखा था, और इसका नाम Falco indus रख दिया था, इसने दक्षिण भारत में पाण्डिचेरी शहर के पहाड़ों में गरूड़ देखा था। इससे सिद्ध होता है कि गरूड़ काल्पनिक पक्षी नहीं है। इसीलिए भारतीय पौराणिक ग्रंथों में गरूड़ को विष्णु का वाहन माना गया है। चूंकि राम विष्णु के अवतार हैं, और थाईलैंड के राजा राम के वंशज हैं और बौद्ध होने पर भी हिन्दू धर्म पर अटूट आस्था रखते हैं, इसलिए उन्होंने 'गरूड़' को राष्ट्रीय चिह्न घोषित किया है। यहां तक कि थाई संसद के सामने गरूड़ बना हुआ है।

सुवर्णभूमि हवाई अड्डा – हम इसे हिन्दुओं की कमजोरी समझें या दुर्भाग्य, क्योंकि हिन्दू बहुल देश होने पर भी देश के कई शहरों के नाम मुस्लिम हमलावरों या बादशाहों के नामों पर है। यहां तक कि राजधानी दिल्ली के मुख्य मार्गों के नाम तक मुगल शासकों के नाम पर है। जैसे हुमायूं रोड, अकबर रोड, औरंगजेब रोड इत्यादि। इसके विपरीत थाईलैंड की राजधानी के हवाई अड्डे का नाम सुवर्ण भूमि है। यह आकार के मुताबिक दुनिया का दूसरे नंबर का एयरपोर्ट है। इसका क्षेत्रफल 563000 स्क्वेअर मीटर है। इसके स्वागत हाल के अंदर समुद्र मंथन का दृश्य बना हुआ है। पौराणिक कथा के अनुसार देवों और ससुरों ने अमृत निकालने के लिए समुद्र का मंथन किया था। इसके लिए रस्सी के लिए वासुकि नाग, मथानी के लिए मेरु पर्वत का प्रयोग किया था। नाग के फन की तरफ असुर और पूंछ की तरफ देवता थे। मथानी को स्थिर रखने के लिए कच्छप के रूप में विष्णु थे। जो भी व्यक्ति इस एयरपोर्ट के हॉल जाता है वह यह दृश्य देखकर मंत्र मुग्ध हो जाता है।

इस लेख का उद्देश्य लोगों को यह बताना है कि असली सेकुलरज्म क्या होता है, यह थाईलैंड से सीखो। अपने धर्म की उपेक्षा करके और दुश्मनों की चाटुकारी करके सेकुलर बनने से तो मर जाना ही श्रेष्ठ है, और जिन लोगों को खुद के राम भक्त होने पर गर्व है विचार करें।

सब तो करते हैं बातें
गीता और कुरआन की
बातें दीन-ओ-ईमान की
भारत पाकिस्तान की
करता नहीं है बात कोई
दोस्ती के फरमान की।

- अमरनाथ

जल के लिये तो सोचो
कल के लिये तो सोचो
है प्रश्न कठिन फिर भी
हल के लिये तो सोचो।

- राजेन्द्र शर्मा 'अक्षर'

कर्त्ता तो तू है नहीं
कर्त्ता तो करतार
फिर फल की क्यों कामना
करता तू हर बार

- अमरनाथ

पितृ दिवस पर

पिता

- अमर नाथ

पहले प्रभु को भोग लगाता
गैया को रोटी खिलवाता
छोटे बच्चों को खिलवाकर
मात-पिता को खुद जिमवाता।
बचे हुए भोजन को फिर वह -
पत्नी संग बाँट कर खाता।
वो ही होता घर का मालिक
वो ही सच्चा पिता कहाता।।
बोझा ढोता घर का सिर पर
ऐसा पिता हुआ परमेश्वर।
घर-घर का भगवान पिता है
धरती का भगवान पिता है।
उनके चरणों नमन हमारे
अर्पित श्रद्धा सुमन हमारे।।

मातृ दिवस पर

मेरे बेटे

- रश्मि शुक्ला

सारी उम्र सींचा है तुमको बनके बागवान
क्या तुम्हारें लिए कुछ नहीं है मेरा अरमान।
कहते हो मैं न समझूँगी तुम्हारी बातों
जब कि बिन सोये मैंने, कितनी काटी हैं रातें।
तुम्हारे चेहरे से ही दिल का हाल बता सकती हूँ मैं
खुद को हराकर मेरे दिल, तुझको जिता सकती हूँ मैं।
तू भूल गया है बड़ा होकर, अपने रोने की आवाज
मगर मैं आज भी जानती हूँ, तेरे बचपन का मिजाज।
जब तू रोता था आँखें, मेरी भर आती थीं
तुझे हँसता देख तबियत, मेरी संवर जाती थी।
तेरे बिन बोले ही समझती हूँ तेरी भूख और प्यास तक
और तू कहता है कि मैने किया ही क्या है आज तक
गलती तेरी नही, मेरी ही है मेरे लाल
अब मुझे लगता है खुद की गलती पे मलाल।
हर ख्वाहिश को तेरी सीने से लगाया है मैने
तेरी खातिर सारी रात खुद को जगाया है मैंने
कभी किसी कमी का तुझे एहसास न कराया है
जो भी माँगा तूने, मैनें घर फूँक कर दिलाया है।
दो रोटी ही चाहिए मुझे मेरे लाल दिन और रात की।
बुढापे में मुझे जरूरत है बस एक तेरे ही साथ की।
मेरे नूरे नजर, यूँ मुझे खुद से इतना दूर मत कर।
मर ही जाऊँ तेरे बिना इतना मजबूर मत कर।

पिता : दृश्य - एक

उदयभान पाण्डेय 'भान'

(1)

उँगली पकड़ के दुलारे-प्यारे ललना को,
चलना सिखाये डग-डग पग धर के।
गोद में उठाये कभी हाथ में झुलाये,
लाड़-प्यार बरसाये अँकवारी भर-भर के।
चेहरे पे आये पिता के न कोई भी थकान ,
करे इंतजाम सभी गुज़र-बसर के।
मेरी संतान, 'भान', दुनियां में नाम करे,
देश का तिरंगा झूमे लहर-लहर के।।

पिता: दृश्य - दो

उदयभान पाण्डेय 'भान'

(2)

एक नन्ही सी कली का आगमन आँगन को,
दुनियाँ की सारी खुशियों से भर देता है।
एक किलकारी पे, दुलारी-प्यारी गुड़िया के,
पिता सारी दौलत निसार कर देता है।
पिता से न बढ़कर दानी कोई धरती पे,
आँखों में खुशी के आँसुओं को भर लेता है।
जान से भी ज्यादा प्यारी है जो उसी लाड़ली का,
'भान', खुशी-खुशी कन्यादान कर देता है।।

परिवार ही पहुंचा रहे वृद्धाश्रम के द्वार

नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन की रिपोर्ट - जिस लड़के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया उसी लड़के और बहु के कारण उम्र के अंतिम पड़ाव पर जिंदगी वृद्धा आश्रम में काटनी पड़ती है। विशेषज्ञों ने राजधानी के सरकारी और निजी वृद्धा आश्रम में रहने वाले लोगों पर कारण जानने के लिए शोध किया तो 18.8 फीसदी वृद्धों ने कहा कि लड़के सपोर्ट नहीं करते। 14.9 फीसदी बुजुर्गों ने कहा कि बहू के कारण घर छोड़ने को मजबूर है। इस तरह देखा जाए तो लड़के और बहू के कारण 33.7 फीसदी लोग बुढ़ापे में वृद्धा आश्रम का सहारा लेते हैं। इसके साथ ही 6.9 फीसदी लोग परिवार का व्यवहार ठीक न होने के कारण वृद्धा आश्रम में रहते हैं। इस तरह देखा जाए तो लगभग 40.6 फीसदी लोग परिवार के कारण वृद्धा आश्रम में रहने को मजबूर है। यह परिवार व्यवस्था का एक स्याह पक्ष उजागर हुआ है।

किंग जार्ज मेडिकल विव के डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन के एल्यूमिनाइ प्रो. अभिषेक गुप्ता ने सरकारी और निजी वृद्धा आश्रम में सुविधाओं पर लेकर शोध किया, जिसमें कारण भी जानने की कोशिश की गयी। वृद्धा आश्रम में रहने वाले 101 लोगों पर शोध किया गया तो देखा गया कि घर पर देखभाल न होने से 77.1 फीसदी लोग सरकारी वृद्धा आश्रम में रहते हैं। तमाम लोगों में कई कारण हैं, जिसके कारण घर छोड़ना पड़ता है।

पैसा हो तो गम है कम – प्रो. अभिषेक गुप्ता ने कहा कि जिनके पास बुढ़ापे में पैसा था उनकी हर जगह तवज्जो थी। इसलिए बुढ़ापे के लिए पैसा बचाकर रखना चाहिए। बेटे, बहू और परिवार के लिए खुद कंगाल न हों। सरकार को भी सोशल सिक्योरिटी के लिए पेंशन स्कीम लागू करना चाहिए। वहीं यदि परिवार संयुक्त है तो यह समस्या कम पाई गई है।

(दैनिक जागरण)

बुजुर्गों का सहारा बन सुरक्षा देगी पुलिस

14 अप्रैल, 2013 - गोमती नगर के विपुलखंड निवासी बुजुर्ग नारायण मेहरा और उनकी पत्नी लता मेहरा की लूटपाट के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई। दम्पती मकान में अकेले रहते थे।

6 जुलाई, 2015 - हजरतगंज के नवल किशोर रोड स्थित 90 वर्षीय रमारति देवी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो अकेली महिला के कमरे में हर तरफ खून के छींटे मिले।

9 जुलाई, 2015 - हजरतगंज के लालबाग स्थित भोपाल हाउस में अकेले रहने वाले इन्कम टैक्स के रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर आनंद कुमार रैना की घर के भीतर हत्या कर दी गई। पुलिस ने काफी प्रयास किया तो विदेश में रहने वाले उनके बेटे से संपर्क हो पाया।

ये वो मामले हैं जिनमें अपनो से दूर रह रहे बुजुर्गों के बेसहारा होने की वजह से उनकी देखभाल करने वाले नौकरों या करीबियों ने संपत्ति या रुपये के लालच में हत्या करवा दी। घटनाओं का खुलासा हुआ तो हत्यारोपितों के साथ उनका साथ देने वाले नौकर या रिश्तेदार भी जेल भेजे गए। ऐसे बेसहारा बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डीजीपी सुलखान सिंह ने नई व्यवस्था की शुरूआत की है। डीजीपी ने सभी थानेदारों को अपने क्षेत्र में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों का डेटा बैंक तैयार करने का निर्देश दिया है। इसके लिए सभी थानों पर एक **वरिष्ठ नागरिक रजिस्टर** रखा जाएगा, जिसमें अकेले रहने वाले बुजुर्गों का पूरा ब्यौरा दर्ज होगा।

पुलिस को बताकर करनी होगी मुलाकात : थानों पर बनाए जा रहे वरिष्ठ नागरिक रजिस्टर में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की देखभाल करने वाले नौकर का ब्यौरा होगा। नौकर का सत्यापन खुद पुलिस करेगी और उसे नौकरी पर रखवाने वाले से शपथ पत्र लिया जाएगा।

बुजुर्ग के दो मोबाइल नंबर, मकान के भीतर का नक्शा, करीबियों या रिश्तेदारों की पूरी जानकारी और आपातकाल में संपर्क करने के लिए परिवार से जुड़े किसी सदस्य का मोबाइल नंबर रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। घर से थाने और नजदीकी पुलिस चौकरी की दूरी और पहुंचने के साधन की जानकारी भी रखी जाएगी। बुजुर्गों से नियमित तौर मिलने वालों की जानकारी भी इसमें दर्ज की जाएगी। कोई नया व्यक्ति उनसे मिलना चाहेगा तो उसे पहले चौकी इंचार्ज को सूचना देनी होगी।

दिन में दो बार हालचाल लेगी पुलिस : डीजीपी के निर्देश के मुताबिक बीट इंचार्ज पुलिसकर्मियों को वरिष्ठ नागरिक रजिस्टर देखकर उनके घर जाना होगा। बीट का सिपाही या दरोगा दिन में दो बार उनसे मिलेंगे और किसी भी तरह की आशंका होने पर थानेदार को जानकारी देकर आवश्यक कार्रवाई करेंगे। इसके अलावा ऐसे वरिष्ठ जनों को थाने का एक विशेष नंबर उपलब्ध करवाया जाएगा जिस पर कॉल करके वह किसी भी वक्त सहयोग ले सकेंगे। निर्देश के मुताबिक करीब सभी थानों पर रजिस्टर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। (नवभारत टाइम्स- 8 मई, 2017)

अमर उजाला से साक्षात्कार

पौधों की पूजा होती है और प्रसाद में बांटते हैं बीज

- चन्द्र भूषण तिवारी

मेरा जन्म देवरिया के एक गांव में साधारण परिवार में हुआ था। प्राथमिक शिक्षा की पढ़ाई के लिए किताब-कापियों की जरूरत मैं बाजार में नीम के निबौरी बेचकर पूरा करता था। 'अ' से अमरूद और 'आ' से आम की पढ़ाई मुझे पेड़ों के कल्पना-लोक में ले जाती थी। आम की गुठली से निकले पौधे और उनके फल देने की प्रक्रिया मुझे बचपन से ही रोमांचित करती थी। बाल सभा से प्रेरित होकर मैंने स्कूली जीवन में ही अपने से कमजोर साथियों की मदद भी शुरू कर दी। बाल सभा की इन्हीं शिक्षाओं के कारण ही मैंने लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान, शहर के झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले मजदूरों के बच्चों को पढ़ाना जारी रखा।

मैं गरीब परिवार के उन बच्चों को जरूरत की दूसरी चीजें भी देता था। बी.एड करने के बाद मुझे ओडिशा के केन्द्रीय विद्यालय में शिक्षक की नौकरी मिल गई। 1995 में जब मैं नौकरी कर रहा था, वह साल मेरी जिंदगी के लिए निर्णायक साबित हुआ। लखनऊ के गरीब बच्चों ने मुझे चिट्ठी लिखी-'अंकल आप कब आओगे, खिलौने और मिठाई कब लाओगे। किताबें कब मिलेंगी। पत्र पढ़ने के बाद मैंने नौकरी छोड़ लखनऊ जाने का फैसला कर लिया। मेरे जीवन का असली संघर्ष नौकरी छोड़ने के बाद शुरू हुआ। सबसे पहले मैंने उन बच्चों से मुलाकात की, जिन्होंने मुझे खत लिखा था और उसके बाद अपने जीवन को पूरी तरह से बच्चों और वृक्षों को समर्पित कर दिया।

मैंने लखनऊ में बच्चों के लिए छह स्कूल खोले हैं। मैं गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देता हूं। हर घर से दान लेने के बदले वहां एक वृक्ष लगाकर रिश्ता जोड़ने की मुहिम शुरू की, जिसकी वजह से आज लोग मुझे **पेड़ वाले बाबा** के नाम से पुकारते हैं। मैं स्कूलों में जा-जाकर गरीब बच्चों को शिक्षा देने के बदले में उनसे दस पौधे लगाने का वायदा लेता हूं। एक डिग्री कॉलेज में लेक्चरार मेरी पत्नी मेरे हर काम में मदद करती है। मैंने 26 जनवरी, 2006 से 15 अगस्तर, 2015 तक लखनऊ और देश के दूसरे शहरों में जाकर एक लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य पूरा किया। मैं इस मिशन में जब भी किसी शहर जाता हूं, तो वहां के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के मस्तिष्क में भी पौधा लगाकर आता हूं। मैं वहां बच्चों को अपने सगे-संबंधियों को पौधे लगाने की अपील करते हुए चिट्ठी लिखने के लिए प्रेरित भी करता हूं।

चूंकि धार्मिक मान्यताओं का असर समाज में व्यापक रूप से फैला है, इसलिए मैंने अपने पर्यावरण प्रेम को इसी से जोड़ा। मैं प्रतिवर्ष अपने गृह-जनपद के गांव में जाकर दुर्गा मंदिर में पौधों का भंडारा भी करता हूं। इस भंडारे के बाद मैं लोगों को प्रसाद के रूप में पौधे बांटता हूं। इसके साथ मैं 'हरा-हरि व्रत कथा' के नए प्रयोग पर भी काम कर रहा हूं। इस कथा में पौधों की पूजा करके बीज को प्रसाद की तरह बांटता हूं। मैंने पौधों को अपनी बेटी की संज्ञा दी है। मैं जिसको भी पौधे देता हूं, उसे अपना समधी समझता हूं। रिश्तों की इस शृंखला में मेरे अनगिनत संबंधी और प्रतिरूप तैयार हो चुके हैं। मैंने अब दस लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है। लोग सोचते हैं कि मेरे पास इतने पौधे आते कहां से हैं? दरअसल ये पौधे रूपी बेटियों से लौटाए गए मेरे नाती-पोते की विरासत है, जो हर दिन मेरे परिवार की संख्या बढ़ा रहे हैं।

वृक्ष हरा तो तन हरा, मन को देता चैन,
हरियाली के कूंज से, ऊर्जा पाता नैन।
- डॉ. मेहता नागेन्द्र

आशादीप बाल प्रशिक्षण संस्थान, मुजफ्फरनगर, उ.प्र.

आशादीप बाल प्रशिक्षण संस्थान मुजफ्फरनगर, उ.प्र. में एक मात्र ऐसी संस्था है जो मंदबुद्धि, मूक, बधिर और विकलांग बच्चों को प्रशिक्षित कर स्वावलम्बी बनाने का कार्य पिछले बीस वर्षों से कर रही है। इस संस्थान में सोशल एजूकेटर शिक्षकों द्वारा पढ़ाई-लिखाई, पेंटिंग, क्राफ्टवर्क, हस्तशिल्प, योग तथा अन्य रोजगार सम्बन्धित कार्य यथा फिटर, क्लीनर, मैकेनिक, प्लम्बरिंग, गार्डनिंग आदि का समुचित प्रशिक्षण दिया जाता है। यह संस्थान मुजफ्फरनगर में जानसठ जाने वाली सड़क पर स्थित विष्णुविहार कालोनी में है। इसका प्रधान प्रशासकीय कार्यालय 151/4 दक्षिणी सिविल लाइन्स, मुजफ्फरनगर में स्थित है। वर्तमान में यह भावना के आजीवन सदस्य श्री आर.के. गोयल जी के निर्देशन में सुचारू रूप से चल रहा है।

यह संस्थान बिना किसी सरकारी सहायता के मात्र आम नागरिकों के आर्थिक सहयोग के बल पर संचालित है। अतः जो भी सहृदय व्यक्ति इस संस्थान को किसी भी प्रकार का सहयोग देना चाहे वे कृपया निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं :- इं. आर.के. गोयल, 34 दक्षिणी सिविल लाइन्स, मुजफ्फरनगर, उ.प्र. फोन : 09412558209

सूचना

भावना के संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य डॉ. जगदीश गांधी से सम्पर्क स्थापित करने पर सी.एम.एस. स्कूल की कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियों का ज्ञान हुआ, जिसका विवरण निम्नवत् है-

1. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिटी मान्टेसरी स्कूल के 72 छात्रों का एक दल न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुख्यालय पर योग प्रदर्शन कर देश की सांस्कृतिक विरासत को प्रचारित/प्रवाहित करेगा।
2. सिटी मान्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) की छात्रा सुश्री मान्या श्रीवास्तव को अमेरिका में उच्च शिक्षा हेतु फ्लोरिडा इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नॉलाजी द्वारा 100,000 डालर की स्कालरशिप से नवाजा गया।
3. इस वर्ष सी.एम.एस. से शिक्षा प्राप्त निम्न 4 छात्र भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) में चयनित हुए हैं।

			शाखा
1.	सुश्री इला त्रिपाठी	(51वीं रैंक)	अलीगंज (प्रथम कैम्पस)
2.	सुश्री कृति पाण्डेय	(426वीं रैंक)	अलीगंज (प्रथम कैम्पस)
3.	श्री पंकज कुमार मिश्रा	(414वीं रैंक)	गोमती नगर (प्रथम कैम्पस)
4.	सुश्री शिल्पी कनौजिया	(535वीं रैंक)	महानगर कैम्पस

सिटी मान्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) के छात्र सक्षम मेहरोत्रा को सिंगापुर के येल-एन.यू.एस. कालेज (Yale-NUS College) में उच्च शिक्षा हेतु 269924 सिंगापुर डालर अर्थात् 80 लाख रुपये की स्कालरशिप से नवाजा गया है।

शोक संदेश

1- भावना के सम्मानित सदस्य श्री देवी प्रसाद गोयल का निधन 24 मई 2017 हो गया है वह श्री मनोज कुमार गोयल के बड़े भाई थे उनका पता सी-16, सेक्टर-एच, अलीगंज, लखनऊ है।

2- BHAVANA's life member, Smt. Maya Singh (M-21/341) wife of late Virendra Singh (retired CE, UPSEB, former GM Obra Projects), has left this world for her heavenly abode on 26th May, 2017. Shanti Path was held on 3rd June, 2017 in Hari Om Mandir, Lalbagh, Lucknow from 11 AM to 12 Noon.

3- अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना है कि श्री रमेश चन्द्र तिवारी (से.नि. मनोरंजन कर अधिकारी) का दिनांक 17 जून, 2017 को स्वर्गवास हो गया। श्री तिवारी भावना के विशिष्ट सदस्य थे तथा अपना महत्वपूर्ण योगदान देते थे।

4- अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना है कि डॉ. हरीश चन्द्रा संस्थापक सदस्य का स्वर्गवास दिनांक 6 मई 2017 को हो गया।

ईश्वर से प्रार्थना है उक्त सभी आत्माओं को शान्ति प्रदान करें। ॐ शान्ति शान्ति शान्ति .....

- भावना परिवार

कवर पृष्ठ 3 से आगे...

महासचिव(एडवोकेसी)
श्री अशोक कुमार मल्होत्रा
चीफ़ मैनेजर (प्रोजेक्ट्स) (से.नि.),
एच.ए.एल., लखनऊ
फोन : 0522–2357738 / 09451133617
ई मेलः akmalhotra123@rediffmail.com

उप–महासचिव सम्बद्ध महासचिव(प्रशासन)
संयोजक, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्री जगमोहन लाल जायसवाल
सहायक अभियंता (से.नि.),
सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोनः 09450023111

उप–महासचिव सम्बद्ध महासचिव(एडवोकेसी)
संयोजक, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ तथा
सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
श्री सतपाल सिंह
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोनः 09839043458 ई.मेलः satpalsngh@yahoo.com

सह–कोषाध्यक्ष
सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
श्री आदित्य प्रकाश सिंह
स्पेशल असिस्टेंट (से.नि.),
सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 09628180153

सह–कोषाध्यक्ष (अस्थाई सृजित अतिरिक्त पद)
श्री हरीश चन्द्र शुक्ल
वरिष्ठ शाखा प्रबंधक (से.नि.), सिन्डिकेट बैंक
फोनः 09455275441 / 08400121385
ई.मेलः shukla.harish@yahoo.co.in

सचिव, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ, प्रधान सम्पादक, सम्पादन प्रकोष्ठ, सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी, कानपुर रोड तथा रायबरेली रोड के दोनों ओर का क्षेत्र
श्री अमर नाथ
अवर अभियंता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन : 09451702105

सचिव, वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
डॉ. नरेन्द्र देव
वरिष्ठ अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2356158 / 09451402349
ई. मेल : deonarendra740@gmail.com

सचिव, प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ तथा सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ– प्रभारी महानगर तथा आस पास का क्षेत्र
श्री राजेन्द्र कुमार चुघ
वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक (से.नि.), उ.प्र. निर्यात निगम
फोनः 0522–2330614 / 09450020659
ई.मेलः rajanchugh53@gmail.com

सचिव, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी निराला नगर तथा आस पास का क्षेत्र
डॉ. छेदा लाल वर्मा
प्रोफेसर (से.नि.), बौटनी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
फोनः 0522–2787872 / 09919960317
ई.मेलः dr.clverma@rediffmail.com

उप–महासचिव सम्बद्ध प्रमुख महासचिव
संयोजक, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ
श्री रमा कान्त पाण्डेय
अपर सचिव (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोनः 0522–2355973 / 09839395439 / 09415584568
ई.मेलः aark_p@rediffmail.com

उप–महासचिव सम्बद्ध महासचिव(कार्यान्वयन)
संयोजक, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ एवं सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ– प्रभारी, इन्दिरानगर तथा आसपास का क्षेत्र
श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन : 0522–4006191 / 09198038889
ई.मेलः devpreet1977@yahoo.com

कोषाध्यक्ष
श्री ेम शंकर गौतम
महाप्रबन्धक (से.नि.),
उ.प्र. वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2713283 / 09451134894

सम्प्रेक्षक
संयोजक, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री मनोज कुमार गोयल
अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. आवास एवं विकास परिषद
फोन : 0522–2329439 / 09335248634
ई. मेल : goel_mk10@rediffmail.com

सचिव, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्रीमती अर्चना गोयल
गृहणी एवं सामाजिक कार्य
फोन : 0522–2329439 / 09389193715

सचिव, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
श्री देवकी नन्दन 'शांत'
उप महाप्रबन्धक (से.नि.),
उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 09935217841 / 09889098841
ई. मेल : deokinandan@medhaj.com

सचिव, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
श्री पाल प्रवीण
अध्यक्ष (से.नि.),
काशी ग्रामीण बैंक (यूनियन बैंक का उपक्रम)
फोनः 09919238189
ई.मेलः palpravin@rediffmail.com

सचिव, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
श्री सुभाष चन्द्र विद्यार्थी
अवर अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोनः 0522–2756481 / 09415151323
ई.मेलः vidyarthisubhashchandra@gmail.com

सचिव, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
श्री अवधेश कुमार सिंह राठौर
भारतीय प्रशासनिक सेवा (से.नि.)
फोन : 0522–2328112 / 09452687233
ई.मेलः to.aksrathore@gmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
श्री सत्य देव तिवारी
वरिष्ठ शाखा प्रबंधक (से.नि.), यूनियन बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 0522–2772874 / 09005601992
ई. मेल : satyadeo1948@gmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
श्री विनोद कुमार कपूर
फ़ेकल्टी (से.नि.), कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी, पंतनगर
फोनः 0532–2321002 / 09984245000
ई.मेलः vinodhkapur@rediffmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
श्री शैलेन्द्र कुमार तिवारी
चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर (से.नि.), एच.ए.एल.
फोन : 0522–2701126 / 4011486 / 09450664880
ई. मेल : shalkirty@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
सदस्य, प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ
श्री राम मूर्ति सिंह
सहायक अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोनः 09415438548
ई.मेलः rmmurtisingh231218@gmail.com

सह–सम्पादक, भावना प्रकाशन
सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ.(कु) अवनीश अग्रवाल
प्रोफेसर, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
फोनः 09451244456 ई.मेलः dravneesh@yahoo.com

सदस्य, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
श्रीमती रेखा मित्तल
फोन : 0522–2746862 / 09415089151

सदस्य, महिला सशक्तिकरण. प्रकोष्ठ
श्रीमती रंजना मिश्रा
फोनः 0522–4017161 / 09415759280
ई.मेलः ranjanamisra50@gmail.com

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री सुमेर अग्रवाल
व्यापारी–तीरथ पीके वेन्चर
फोनः 0522–3919319 / 09415025151
ई.मेलः sumeragarwal@gmail.com

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्री सिद्धेश्वर नाथ शर्मा
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोनः 07524968080 ई.मेलः siddheshwar.sharma@gmail.com

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
श्रीमती सरोजिनी सिंह
शिक्षिका (से.नि.), शिक्षा विभाग, म.प्र.
फोनः 09415058975
ई.मेलः s12soji@yahoo.co.in

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
श्री पुरुषोत्तम केसवानी
वरिष्ठ प्रबंधक (से.नि.), सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 0522–2321461 / 09450021082 / 08604967902
ई.मेलः purshottam.keswani@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ
श्री रमेश प्रसाद जायसवाल
अपर आयुक्त ग्रेड–1 (से.नि.),
उ.प्र. वाणिज्य कर विभाग
फोनः 09760617045
ई.मेलः jaiswalrp1954@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ,
सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
श्री विश्व नाथ सिंह
प्रगतिशील कृषक,
फोनः 09415768055 ई.मेलः yogendra.lko20@yahoo.com

सम्पादक, भावना प्रकाशन, सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी जानकीपुरम (विस्तार सहित) एवं आसपास
श्री सुशील कुमार शर्मा
अपर निदेशक (से.नि.), प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उ.प्र.
फोनः 0522–2735951 / 08765351190
ई.मेलः sksharma.ed@gmail.com

सदस्य, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
श्रीमती श्याम बाला सिंह
फोनः 0522–2739439 / 09565945179
ई.मेलः dramvira@gmail.com

सदस्य, महिला सशक्तिकरण. प्रकोष्ठ
श्रीमती वीना सक्सेना
फोनः 09415103378

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्रीमती आशा गोयल
फोन : 09415470638
ई. मेलः arvindasha68@gmail.com

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री सत्य नारायण गोयल
व्यवसायी (ह्यूम पाइप तथा लॉकिंग टाइल्स निर्माता)
फोनः 09335243519

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्री गुरू दयाल शुक्ला
जिला लेखापरीक्षा अधिकारी (से.नि.), वित्त विभाग, उ.प्र.
फोनः 0522–2759277 / 09415003605

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
श्री शैलेन्द्र मोहन दयाल
मुख्य अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र.रा. विद्युत परिषद
फोनः 0522–2446086 / 09455550616
ई.मेलः smdayal39@gmail.com

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
श्री महेश चन्द्र सक्सेना
उप महाप्रबंधक (से.नि.), उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2423567 / 08960687921
ई.मेल : mcsaxena000@gmail.com

सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री उदय भान पाण्डेय
मुख्य महाप्रबंधक, उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522–2393436 / 09415001459
ई मेलः udaibhanp@yahoo.com

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी राजेन्द्रनगर, मोतीनगर, आर्यनगर, ऐशबाग एवं आसपास का क्षेत्र
श्री विनोद चन्द्र गर्ग
व्यापारी– चन्द्रा मेटल कम्पनी, लखनऊ
फोन : 0522–2339298 / 09415012307

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी अलीगंज एवं आस पास का क्षेत्र
श्रीओम् प्रकाश पाठक
विशेष सचिव (से.नि.), अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, उ.प्र.
फोनः 0522–2323728 / 09415022932
ई.मेलः pathak.op@gmail.com

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी त्रिवेणीनगर, प्रियदर्शिनीनगर, केशवनगर सहित सीतापुर रोड तथा आई.आई.एम. रोड के दोनों ओर का क्षेत्र
श्री दीन बन्धु यादव
क्षेत्रीय प्रबंधक (से.नि.),
उ.प्र. सह. ग्राम विकास बैंक लि. फोनः 0522–6533261 / 09956788187

सदस्य, भावना प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ
श्री नरेश भार्गव
पी.ए.सी. मुख्यालय में सेवारत
फोनः 09918927315 / 08188057464

सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
श्री इन्द्रकुमार भारद्वाज
उप महाप्रबंधक (से.नि.), उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोनः 09415911702
ई.मेलः ikbhlkw@yahoo.co.in

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री महेश चन्द्र निगम
सहायक अभियन्ता, वि. / यॉं. (से.नि.),
लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2325716 / 09335905126
ई.मेलः maheshnigam77@yahoo.com

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
श्री राजदेव स्वर्णकार
मुख्य प्रबंधक (से.नि.), सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 0522–4045984 / 09450374814
ई.मेलः rajdeo.swarnkar@yahoo.in

सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
श्री चन्द्र भूषण तिवारी
पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता
फोनः 09415910029

सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री अशोक कुमार
अधिशासी निदेशक (से.नि.), उ..प्र. पावर ट्रांसमिशन कार्पो. लि.
फोनः 0522–2780177 / 09794122946
ई.मेलः mehrotra_ak2006@yahoo.co.in

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी विकास नगर एवं आसपास का क्षेत्र
श्री रामा नन्द मिश्रा
उप निदेशक (से.नि.), दूर–दर्शन, लखनऊ
फोनः 0522–4017161 / 09415062778
ई.मेलः rnmisra48@gmail.com

सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ–
प्रभारी गोमती नगर का सम्पूर्ण क्षेत्र
श्री तीर्थराज मौर्य
शाखा प्रबंधक (से.नि.), यूनियन बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 09412169590
ई.मेलः rajmaurya1950@gmail.com

सदस्य, वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ
श्री सुरेन्द्र नारायण सिंह टंडन
उपायुक्त (से.नि.),
वाणिज्यकर विभाग, उ.प्र.
फोनः 09651562123 ई.मेलः snstandon54@gmail.com

सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री अरुण कुमार
महाप्रबन्धक (से.नि.), उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लि.
फोन : 09839420999 / 09838203598
ई. मेल : arunksaxena1949@rediffmail.com

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री शिव नारायन अग्रवाल
पूर्व सी.एम.डी., उ.प्र. जलविद्युत उत्पादन निगम लि.
फोन : 0522–2326000 / 09839022390 / 09415313364
ई.मेलः agarwalsn@rediffmail.com

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री हरीश चन्दर
मुख्य अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोनः 0522–4011541 / 09696670165

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
श्री ललित कुमार
जे.एम.टी., लेसा
फोनः 09455836176

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
डॉ. अमित कुमार सिंह
फिजियोथेरेपिस्ट (परास्नातक)
फोनः 09565998001
ई.मेलः draksingh301280@yahoo.com

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
श्री कपिल देव त्रिपाठी
भारतीय प्रशासनिक सेवा (से.नि.)
फोन : 0522–2395443 / 09935045827
ई.मेलः kdt0811@gmail.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ.(कु) अंजली गुप्ता
मनोचिकित्सक, नूर मंजिल मनोचिकित्सा केन्द्र
फोनः 09935224997
ई.मेलः njl_omer@yahoo.co.in

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ. भानु प्रकाश सिंह
प्रोफेसर (से.नि.), कृषि विश्वविद्यालय, फैजाबाद
फोनः 09450766586 / 07408274462
ई.मेलः bpskn2014@gmail.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
श्री सुभाष मणि तिवारी
अग्निशमन अधिकारी (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोनः 09415086952 / 07054065111
ई.मेलः smt1946@yahoo.co.in

संस्थापक सदस्य
श्री हरिवंश कुमार तिवारी
मुख्य अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोनः 07259938899 ई. मेलः harivanshsavitri@gmail.com

संस्थापक सदस्य
डा. हरीश चन्द्रा
विभागाध्यक्ष (से.नि.), यूरोलॉजी विभाग, के.जी.एम.यू.
फोन : 0522–4048658 / 09415010610

अध्यक्ष, सोनभद्र शाखा
श्री देवी दयाल गुप्ता
व्यापारी
फोन : 05445–262392 / 09415323335–7

अध्यक्ष, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शाखा
श्री अनिल कुमार शर्मा
विशेष मुख्य महानिदेशक (से.नि.), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
फोनः 09868525057 / 09794427788
ई.मेलः aksharmacpwd@yahoo.com

अध्यक्ष, उन्नाव शाखा
श्री कमला शंकर अवस्थी
एडवोकेट
फोन : 0515–2823124 / 09695639563;
ई. मेलः n.awasthi@nic.co.in

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
श्री सुशील कुमार
आई.ए.एस. (से.नि.), पूर्व मंडलायुक्त, बस्ती
फोनः 09415086130
ई.मेलः sushil.alka@gmail.com

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
श्री श्री राम वाजपेयी
डिप्टी कमिश्नर (से.नि.), वाणिज्यकर विभाग, उ.प्र.
फोनः 0522–2399000 / 09415367088
ई.मेलः shriram_vajpayee@yahoo.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
डॉ. यदुनाथ सिंह भदौरिया
निदेशक (से.नि.), नियोजन विभाग, उ.प्र.
फोनः 09450390052
ई.मेलः ysb40@yahoo.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
प्रो. काशी राम कनौजिया
निदेशक (से.नि.), कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर
फोनः 09411159498
ई.मेलः kashiramkanaujia@yahoo.com

सदस्य, प्रशिक्षण गोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें प्रकोष्ठ
श्री युगल किशोर गुप्त
अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोन : 08756125555
ई मेलः yugalbina@yahoo.co.in

संस्थापक सदस्य
श्री अशोक कुमार मिश्र
मुख्य अभियन्ता (से.नि.),
भारतीय रेल सेवा
फोन : 0522–2782136 / 2782137

संस्थापक सदस्य
श्री कृष्ण देव कालिया
अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन : 0522–2309245 / 09956287868

सचिव, सोनभद्र शाखा
डॉ. उदय नारायण सिंह
होम्योपैथी चिकित्सक
फोन : 05445–262043 / 09936181902

सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शाखा
श्री मुकुल चतुर्वेदी
इरकॉन इन्टरनेशनल लि. में सेवारत
फोनः 09868158676
ई.मेलः drmukulchaturvedi@yahoo.co.in

सचिव, उन्नाव शाखा
श्री शिव शंकर प्रसाद शुक्ल
अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0515–2820614 / 09415058113
ई.मेलः sspshukla123@gmail.com

स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान
डॉ. जी. पार्थ प्रॉतिम, सचिव
फोन : 0522–6592459 / 09235878417
ई. मेलः drparthaprotimgain@yahoo.com

कॉमर्सियल टैक्स रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश (COMRAN)
श्री मदन मोहन कटियार, कोषाध्यक्ष
फोन : 09412207784
ई. मेलः madanmkatiyar@yahoo.in

परमहंस योगानन्द सोसायटी फॉर स्पेशल अनफोल्डिंग एन्ड मोल्डिंग (PYSSUM)
डॉ. नवल चन्द्र पंत, अध्यक्ष एवं अधिशाषी निदेशक
फोन : 0522–6545944 / 09452062323
ई. मेलः pyssum@gmail.com

श्री तारीफ़ सिंह धर्मार्थ ट्रस्ट
श्रीमती शिखा सिंह, महासचिव
फोन : 09990103691

रुद्राक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति बगहा
अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष
फोन : 08874924774

सदस्य, विधि तथा RTI प्रकोष्ठ
वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) हरौनी
श्री राम स्वरूप यादव, सचिव
फोन : 09455508230
ई. मेलः yadav.ramswaroop@yahoo.com

विद्युत पेन्शनर्स परिषद उत्तर प्रदेश
श्री हरीश कुमार श्रीवास्तव, प्रमुख महासचिव
फोन : 0522–2636011
ई. मेलः vidyutpensioners_lko@rediffmail.com

वेटरन सहायता समिति
कैप्टेन (डॉ.) आर.वाई.एस. चौहान, उपाध्यक्ष कार्यवाहक अध्यक्ष
फोन : 09935713181
ई. मेलः rcdhyanprem@yahoo.co.in

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) भौली
श्री हरि नारायण शुक्ल, अध्यक्ष
फोन : 09415768055

पलाश ग्रामीण वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति
श्री विमलेश दत्त मिश्र, सचिव
फोन : 09412417108

सदस्य, भावना प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ
विजय श्री फ़ाउन्डेशन (प्रसादम् सेवा)
श्री विशाल सिंह, सचिव
फोन : 09935888887
ई. मेलः vishalvirat@gmail.com

एल.एस.जी.ई.डी./
उ.प्र. जल निगम पेंशनर्स एसोसिएशन
श्री नवीन चन्द्र पाण्डेय, महासचिव
फोन : 0522–2352748 / 09450365052
ई. मेलः ncpandey32@rediffmail.com

प्रबंधकारिणी के निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य

अध्यक्ष
श्री विनोद कुमार शुक्ल
मुख्य महाप्रबन्धक (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.,
फोन : 0522–4016048 / 09335902137,
ई. मेल : vk_shukla@hotmail.com

उपाध्यक्ष
श्री तुंग नाथ कनौजिया
अधिशासी अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि.
फोन : 09936942923 / 08738948562
ई. मेलः kartikeya.investments@yahoo.co.in

महासचिव(प्रशासन),
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
श्री जगत बिहारी अग्रवाल
वरिष्ठ अधिशासी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. जल निगम,
फोन : 0522–3245636 / 09450111425
ई. मेल : jagatagarwal2@gmail.com

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
श्री सुशील शंकर सक्सेना
अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), सिचांई विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522–2350763 / 09415104198
ई.मेलः sushilshanker2003@yahoo.com

प्रमुख महासचिव
श्री राम लाल गुप्ता
उप कृषि निदेशक (से.नि.), उत्तर प्रदेश
फोन : 0522–2392341 / 09335231118
ई मेलः guptarlguptalko67@gmail.com

महासचिव(कार्यान्वयन),
श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह
जिला उद्यान अधिकारी (से.नि.),
उद्यान विभाग, उ.प्र.
फोनः 09412417108
ई.मेलः yogendrapratap610@gmail.com

प्रमुख समाचार

15.5.17 भावना डे-केयर सेटर का नये भवन में उद्घाटन

15.5.17 परमार्थ फिजियोथेरेपी सेन्टर का नये भवन में उद्घाटन

17.5.17 आहार-विहार के प्रभावी सूत्र (लेखक - डा. नरेन्द्र देव) लघु पुस्तिका का विमोचन

14.6.17 हेल्पेज इंडिया द्वारा World Elder Abuse Awareness Day जयशंकर सभागार, राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया।

20.8.17 भावना का 18वां स्थापना दिवस मनाया जायेगा।

स्वर्णिम वैवाहिक जयन्ती

भावना के प्रमुख महासचिव श्री रामलाल गुप्ता जी ने अपनी वैवाहिक स्वर्ण जयन्ती 19 मई, 2017 को बड़ी धूमधाम और उल्लासपूर्वक मनाई। गोमती नगर लखनऊ स्थित इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान के बैंक्वेट हॉल में आयोजित भव्य समारोह में श्रीमती कीर्ति गुप्ता एवं श्री रामलाल गुप्ता को उनके स्वर्णिम दाम्पत्य पर्व पर उपस्थित जन समुदाय ने हार्दिक बधाईयां देते हुए, उन्हें उपहारों व फूल मालाओं से सम्मानित किया। इस अवसर पर भावना प्रबंधकारिणी के अनेक गणमान्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे और उस युगल को प्रेमभरी शुभकामनायें अर्पित की।

स्वर्णिम वैवाहिक जयन्ती

श्री राजदेव स्वर्णकार जी ने 10 जून 2017 को अपनी वैवाहिक स्वर्ण जयन्ती उल्लासपूर्वक मनाया।

लखनऊ, गोमती नगर, विपुल खण्ड-2 के समन्वय पार्क में पर्यावरण गोष्ठी में उपस्थित भावना के संरक्षक जस्टिस श्रीकरण लाल शर्मा तथा मुख्य अतिथि लखनऊ के कार्यकारी महापौर श्री सुरेश चन्द्र अवस्थी जी।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस

21 जून, 2017 को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर डॉ. अवनीश अग्रवाल, सह-सम्पादक भावना सन्देश एवं उनकी सहेलियाँ